राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 143 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 16 अप्रैल 2026 www.samaydarshan.in

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला: महिलाओं को जमीन रजिस्ट्री में 50 प्रतिशत छूट

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इसका प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति गठित करने का फैसला किया। समिति नागरिकों, संगठनों और विशेषज्ञों से सुझाव लेकर ड्राफ्ट तैयार करेगी। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने के संबंध में यूसीसी का प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया तथा समिति के सदस्यों के मनोनयन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मामलों से

संबंधित विवादों में विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश दिया गया है। अलग-अलग कानूनों के कारण वैधानिक प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती है, जिससे न्याय प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में कानून को सरल, एकरूप और न्यायसंगत बनाने के लिए यूसीसी लागू करना आवश्यक माना जा रहा है, जिससे धार्मिक और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ में एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो राज्य के नागरिकों, संगठनों एवं विशेषज्ञों से व्यापक सुझाव लेकर यूसीसी का प्रारूप तैयार करेगी। यह समिति वेब पोर्टल के माध्यम से फीडबैक भी आमंत्रित कर सकती है। समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार प्रारूप को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मंत्रिपरिषद से अनुमोदन के बाद विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे राज्य में एक समान और पारदर्शी नागरिक कानून व्यवस्था स्थापित हो सके। मंत्रिपरिषद ने महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि महिलाओं के नाम पर होने वाले भूमि रजिस्ट्रेशन पर लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति अर्जन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस निर्णय से सरकार को लगभग 153 करोड़ रुपये राजस्व की कमी होगी, लेकिन महिला सशक्तीकरण के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम माना गया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके तहत उन्हें जीवनकाल में एक बार छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर 25 लाख रूपए तक की संपत्ति (भूमि/भवन) क्रय करने पर देय स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान किया जाएगा।

सबरीमाला मंदिर महिलाओं की एंट्री मामले में कोर्ट धार्मिक मान्यताओं पर कोई फैसला नहीं दे सकती

केरल/ एजेंसी। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को प्रवेश देने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई चल रही है। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के वकील एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, किसी धर्म की प्रथा सही है या नहीं, यह उसी समुदाय की आस्था के आधार पर तय होगा। जज खुद यह तय नहीं करेंगे कि धर्म के लिए क्या सही है, क्या गलत।' उन्होंने कहा कि धर्म एक समूह या समुदाय की आस्था से जुड़ा है। इसलिए कुछ लोगों (महिलाओं की एंट्री) के अधिकार को पूरे समुदाय के अधिकारों पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। इससे पहले 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिन सुनवाई के दौरान भी महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखी गईं। केंद्र सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।वहीं इससे पहले मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है। यह तय करने का अधिकार उसके क्षेत्राधिकार में आता है। अदालत की यह टिप्पणी सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल Tushar Mehta की दलील पर आई। उन्होंने कहा था कि धर्मनिरपेक्ष अदालत को धार्मिक प्रथाओं पर फैसला नहीं करना चाहिए, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। उन्होंने सवाल उठाया कि अदालत कैसे तय कर सकती है कि कौन सी प्रथा अंधविश्वास है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाए, तो उसमें हस्तक्षेप करना अदालत का नहीं, बल्कि विधायिका का काम है, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(ब) में प्रावधान है।

वेदांता पॉवर प्लांट बना 'मौत का प्लांट'

अब तक 20 मजदूरों की मौत,16 जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहे जंग

सक्ती। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पॉवर प्लांट में हुए भीषण हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। यह हादसा अब एक साधारण दुर्घटना न रहकर, मौत का प्लांट बन चुके औद्योगिक ढांचे की भयावह सच्चाई उजागर कर रहा है। इस दर्दनाक घटना में अब तक 20 मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 16 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं, जिनमें कई की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी लगातार जताई जा रही है। जिला कलेक्टर अमृत विकास टोपनो ने आधिकारिक रूप से 20 मौतों की पुष्टि की है। इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद प्लांट प्रबंधन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। खबर लिखे जाने तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। यह चुप्पी क्या केवल संयोग है, या फिर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश.. ? क्या सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है.. ? ये सवाल अब हर किसी के मन में उठ रहे हैं, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और प्लांट की हेल्थ एंड सेफ्टी टीम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। प्रशासन ने जांच और सख्त कार्रवाई का आश्वासन जरूर दिया है, लेकिन स्थानीय लोगों का भरोसा डगमगाया हुआ है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाओं में अक्सर जांच केवल कागजों तक सीमित रह जाती है और दोषी बच निकलते हैं।घायलों को तत्काल रायगढ़ और रायपुर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। अस्पतालों में भर्ती मजदूरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन सीधे तौर पर प्लांट प्रबंधन को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि लंबे समय से प्लांट में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी। स्थानीय मजदूरों और ग्रामीणों के मुताबिक, प्लांट में काम करने वाले मजदूरों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाते थे। मशीनों का रखरखाव भी नियमित रूप से नहीं होता था। कई बार इस संबंध में शिकायतें भी की गईं, लेकिन हर बार उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया।

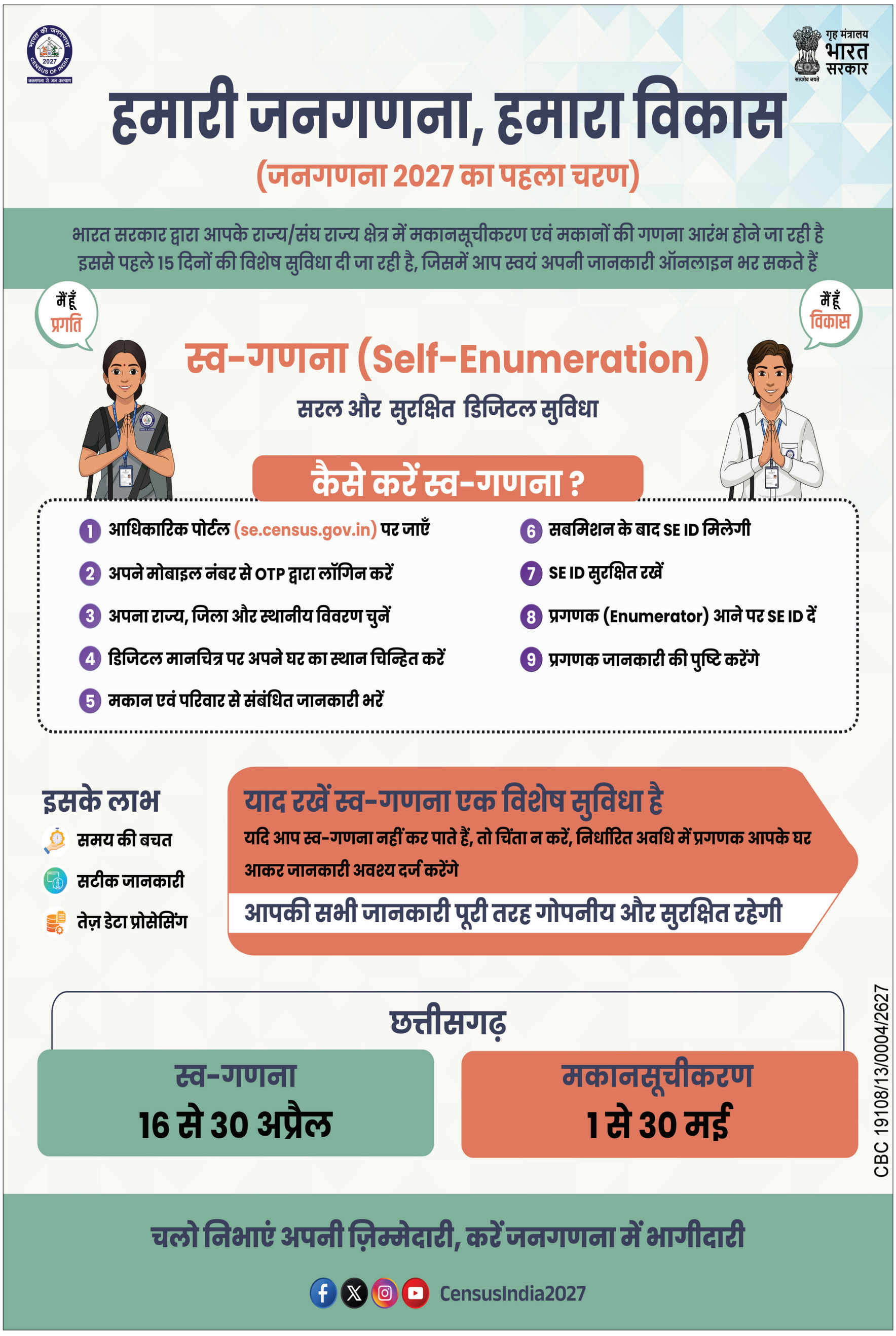

संक्षिप्त समाचार

डॉ. अंबेडकर जयंती पर श्रद्धांजलि, उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

राजनांदगांव। हिंदू जागरण मंच, जिला राजनांदगांव द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर एकत्रित हुए और माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित जनों ने एक-एक कर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज को समानता, न्याय और अधिकारों की दिशा में नई दिशा दी। उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक समरसता का प्रेरणास्रोत है।

पदाधिकारियों ने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज के प्रत्येक वर्ग को उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। जय भीम और भारत माता की जय के जयघोष से वातावरण गूंजायमान रहा। अंत में सभी ने बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने तथा समाज में एकता और भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लिया।

संत शिरोमणि सेन जयंती पर भव्य आयोजन, समाज में समरसता का संदेश

राजनांदगांव। हिंदू जागरण मंच, राजनांदगांव द्वारा संत शिरोमणि सेन समाज की जयंती श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत संत शिरोमणि सेन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात वक्ताओं ने उनके जीवन, त्याग, सेवा और समाज सुधार के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि संत सेन जी ने समाज में समरसता, सेवा और सद्भाव का महत्वपूर्ण संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। इस दौरान हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि संत सेन जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को संगठित और सशक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने उनके बताए मार्ग पर चलकर सामाजिक एकता को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया। युवाओं और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए आयोजन को जीवंत बना दिया। पूरा वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण रहा। अंत में सभी उपस्थित जनों ने संत शिरोमणि सेन जी के आदर्शों पर चलने तथा समाज में एकता और भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मंजू भगत के जीवन में महतारी वंदन योजना से बढ़ा आत्मविश्वास

जशपुर। महतारी वंदन योजना ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के जीवन में बेहतर परिवर्तन लाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रति माह 1000 रुपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। ग्राम पंचायत जोकारी की श्रीमती मंजू भगत भी इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। वे बताती हैं कि प्राप्त राशि से उनके परिवार के दैनिक खर्चों में सहायता मिलती है। वे किराना सामग्री खरीदने, बच्चों की शिक्षा में सहयोग, तथा स्वयं के छोटे-मोटे आवश्यक खर्चों पर उपयोग करती हैं। योजना से मिली आर्थिक सुरक्षा ने उनके परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे उनके जीवन में आत्मविश्वास बढ़ा है।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम ग्रीष्मकालीन तीरंदाजी प्रशिक्षण कैम्प 16 अप्रैल से

0 5 से 20 वर्ष तक के विद्यार्थी ले सकते हैं भाग

0 अनुभवी एनआईएस कोच देंगे विशेष प्रशिक्षण

राजनांदगांव। संस्कारधानी तीरंदाजी संघ, जिला इकाई, राजनांदगांव द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन तीरंदाजी प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन दिनांक 16 अप्रैल 2026 से अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, गौरव पथ, राजनांदगांव स्थित तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र में किया जा रहा है।

संघ के वरिष्ठ एनआईएस कोच राहुल साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में खिलाड़ियों को दो आयु वर्गों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें प्रथम वर्ग 5 से 15 वर्ष तथा द्वितीय वर्ग 15 से 20 वर्ष तक के खिलाड़ियों के लिए रहेगा।

उन्होंने बताया कि इस शिविर में नए खिलाड़ियों को तीरंदाजी के मूलभूत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, वहीं पूर्व से प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों को उन्नत (एडवांस) तकनीकों का विशेष अभ्यास कराया जाएगा। शिविर में अनुभवी एनआईएस कोच कुशल रजक द्वारा खिलाड़ियों के प्रदर्शन का व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन कर उन्हें बारीकियों के साथ प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

संघ का उद्देश्य केवल खिलाड़ियों को खेल सिखाना ही नहीं, बल्कि उनमें अनुशासन, एकाग्रता, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास करना भी है। तीरंदाजी जैसे खेल से बच्चों में मानसिक संतुलन, धैर्य और लक्ष्य पर फोकस करने की क्षमता बढ़ती है।

संस्कारधानी तीरंदाजी संघ द्वारा यह प्रशिक्षण नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक बच्चे एवं युवा तीरंदाजी खेल से जुड़ सकें और अपने कौशल का विकास कर सकें।

संघ ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को इस ग्रीष्मकालीन तीरंदाजी प्रशिक्षण कैंप में भाग लेने हेतु प्रेरित करें।

शिविर के लाभ

बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार एवं फिटनेस का विकास।

मानसिक एकाग्रता और ध्यान क्षमता में वृद्धि।

अनुशासन और समय प्रबंधन की आदत विकसित होना।

मोबाइल एवं स्क्रीन से दूर रहकर सकारात्मक गतिविधियों में सहभागिता।

खेल के माध्यम से आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास।

आठवां पोषण पखवाड़ा : ग्राम स्तर पर कुपोषण के खिलाफ सशक्त पहल

जीव दया फाउंडेशन एवं जन कल्याण सामाजिक संस्थान का संयुक्त प्रयास

राजनांदगांव। आठवें पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत जीव दया फाउंडेशन एवं जन कल्याण सामाजिक संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम कामखेड़ा, मानपुर विकासखंड के आंगनबाड़ी केंद्र में एक प्रभावी पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक आहार के महत्व को समझाना एवं माताओं को बच्चों के संतुलित पोषण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा उपस्थित पालकों को बताया गया कि घर पर आसानी से उपलब्ध सामग्री-जैसे दाल, हरी सब्जियां, अनाज, फल एवं दुग्ध उत्पाद के माध्यम से बच्चों को संपूर्ण पोषण प्रदान किया जा सकता है। विशेष रूप से 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए पूरक आहार, स्तनपान के महत्व एवं स्वच्छता संबंधी आदतों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई।

संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चावरगांव, कंदाड़ी, मुरझर, कामखेड़ा एवं सहपाल के आंगनबाड़ी केंद्रों में कुल 172 बच्चों को सुपोषित बनाने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। यह कार्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिन बहनों के समन्वय से नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग, पोषण परामर्श एवं परिवार स्तर पर व्यवहार परिवर्तन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसमें स्थानीय खाद्य सामग्री से संतुलित आहार बनाने का लाइव प्रदर्शन, कुपोषण की पहचान एवं रोकथाम पर सरल जानकारी, माताओं को बच्चों के आयु-उपयुक्त आहार चार्ट की जानकारी, स्वच्छता एवं हाथ धोने की सही तकनीक पर जागरूकता, बच्चों के वजन एवं स्वास्थ्य की नियमित निगरानी पर जोर। इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन दीदी एवं संस्था की कार्यकर्ता गौरी यादव की सक्रिय उपस्थिति रही। समुदाय की माताओं एवं पालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पोषण संबंधी जानकारियों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में निरंतर उच्च स्तरीय कार्य किया जा रहा है। संस्था का उद्देश्य केवल जागरूकता तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से स्थायी सुधार लाना है। संस्था भविष्य में भी शासन-प्रशासन, दानदाता संस्थाओं एवं समुदाय के सहयोग से कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है। संस्था सभी हितधारकों शासन-प्रशासन, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) इकाइयों एवं समाज के जागरूक नागरिकों से अपील करती है कि वे इस पहल से जुड़कर बच्चों के उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें।

शासन की किसान हितैषी योजनाओं से आत्मनिर्भर बने श्री संजय साहू

धान की परंपरागत खेती छोड़ नवाचार अपनाया, ग्राफ्टेड बैंगन से बनी पहचान, हो रही सालाना 4 लाख से अधिक की कमाई

जांजगीर-चांपा। कभी परंपरागत खेती पर निर्भर रहने वाले पामगढ़ तहसील के ग्राम बिलारी के किसान श्री संजय कुमार साहू की जिंदगी आज पूरी तरह बदल चुकी है। सीमित संसाधनों और पारंपरिक धान खेती से जहां आय सीमित थी, वहीं आज आधुनिक खेती तकनीकों और शासन की योजनाओं के सहारे वे आत्मनिर्भर बन चुके हैं। उनकी सफलता न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रही है।

श्री संजय साहू बताते हैं कि पहले वे भी अन्य किसानों की तरह सिर्फ धान की खेती करते थे। इसी बीच उन्होंने कुछ नया करने का निर्णय लिया और अपने एक एकड़ खेत में ग्राफ्टेड बैंगन की खेती शुरू की। शुरुआत में चुनौतियां आईं, लेकिन मेहनत और सीखने की जिद ने उन्हें आगे बढ़ाया। आज वे पिछले चार वर्षों से लगातार ग्राफ्टेड बैंगन की खेती कर रहे हैं और हर साल बेहतर उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। वे रासायनिक कीटनाशकों के बजाय ऑर्गेनिक कीटनाशकों का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी फसल सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण होती है। इस कार्य में उनकी पत्नी भी बराबर की भागीदारी निभा रही है। जिससे यह खेती उनके परिवार के लिए एक मजबूत आजीविका का साधन बन गई है। ग्राफ्टेड बैंगन की खेती ने उनकी आय में बड़ा बदलाव लाया है। जहां पहले धान की खेती से सीमित आमदनी होती थी, वहीं अब उन्हें सालाना 4 लाख रुपये से अधिक की आय प्राप्त हो रही है। आय बढ़ने से बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें और भविष्य की योजनाएं अब पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हो गई हैं।

ग्राम पंचायत धमनी में धूमधाम से मनाई गई भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती, निकाली गई भव्य शोभायात्रा

सक्ती - जिले के ग्राम पंचायत धमनी में भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

ग्राम पंचायत धमनी से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्राम के जनप्रतिनिधि, युवा वर्ग, महिलाएं एवं बच्चे शामिल हुए। शोभायात्रा में बाबा साहब के चित्र को सुसज्जित स्थापित किया गया था, वहीं सहभागी जय भीम के नारों के साथ पूरे गांव का भ्रमण करते हुए सामाजिक और समानता का संदेश दे रहे थे। जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत भी किया गया। शोभायात्रा के समापन के बाद ग्राम पंचायत परिसर में मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। उपस्थित वक्ताओं ने अपने संबोधन में डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्षों तथा भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के उनके संदेशों को आत्मसात करने का आह्वान किया। इसके पश्चात केक काटकर बाबा साहब की जयंती को उत्सव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ग्रामवासियों को प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान पूरे कार्यक्रम में अनुशासन एवं उत्साह का विशेष समन्वय देखने को मिला। ग्राम पंचायत धमनी में आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक एकता, भाईचारे और बाबा साहब के विचारों के प्रति श्रद्धा का प्रतीक बना रहा, जिसमें गांव के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही।

मामूली विवाद में गई जान, फरार दोनों आरोपी 3 घंटे में गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग जिले के थाना अण्डा क्षेत्र में एक मामूली आपसी विवाद ने ऐसा खौफनाक मोड़ लिया कि एक व्यक्ति की जान चली गई, लेकिन इस सनसनीखेज वारदात में दुर्ग पुलिस ने महज 3 घंटे के भीतर फरार दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा कर दिया, घटना 12 अप्रैल 2026 की रात करीब 10 बजे ग्राम खाड़ा के स्कूल पारा में हुई जहां गुजरात में रह रहे शम्भू निषाद उर्फ देवचरण, उम्र 45 वर्ष, गांव लौटने के दौरान संतोष कुमार यादव और रोहित कुमार यादव के साथ विवाद में उलझ गया, देखते ही देखते कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और आरोपियों ने हाथ-मुक्कों और लातों से बेरहमी से पिटाई कर दी जिससे शम्भू को गंभीर अंदरूनी चोटें आईं, परिजन आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल दुर्ग लेकर पहुंचे लेकिन 13 अप्रैल को डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना अण्डा में अपराध क्रमांक 40/2026 के तहत धारा 103, 3(5) बीएनएस में केस दर्ज किया गया और पुलिस ने तुरंत एक्शन मोड में आकर टीम गठित की, तकनीकी इनपुट और घेराबंदी के जरिए आरोपी संतोष कुमार यादव को कुथरेल क्षेत्र से और रोहित कुमार यादव को रायपुर से दबोच लिया गया, दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी समेत पूरी टीम की त्वरित और सटीक रणनीति सामने आई, पुलिस ने साफ किया कि यह हत्या किसी हथियार से नहीं बल्कि मारपीट के दौरान हुई गंभीर चोटों से हुई, दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से अपील भी की है कि किसी भी विवाद की स्थिति में कानून हाथ में लेने के बजाय शांतिपूर्ण और वैधानिक रास्ता अपनाएं, क्योंकि गुस्से का एक पल जिंदगी भर की सजा बन सकता है—और इस मामले ने एक बार फिर साबित कर दिया कि छोटी सी लड़ाई भी जानलेवा अंजाम तक पहुंच सकती है।

एकता कप हॉकी टूर्नामेंट में एचटीसी, दुर्ग का कब्जा, ट्राईब्रेकर से आया नतीजा

रोमांच से भरे फाईनल मैच में एचटीसी ने सिवनी को दी 1 गोल से शिकस्त

दुर्ग। जिला हॉकी संघ दुर्ग द्वारा आयोजित एकता कप फ्लड लाइट हॉकी टूर्नामेंट में एचटीसी दुर्ग की टीम ने खिताब पर कब्जा किया। मंगलवार को सिविल लाईन हॉकी ग्राउंड में 7 ए साईड प्रारुप पर खेले गए फाईनल मैच में एचटीसी ने सिवनी की टीम को 1 गोल से शिकस्त दी। यह फाईनल मैच शुरु से रोमांच से भरा रहा। अंतिम नतीजा ट्राईब्रेकर से आया। मैच के मैन ऑफदि मैच और मैन ऑफदि टूर्नामेंट दीपक यादव रहे। टूर्नामेंट के बेस्ट फार्वड सिवनी के खिलाड़ी एडी, बेस्ट मिड फिल्डर निहाल हुसैन, बेस्ट डिफेंडर सिवनी के अनुराग और बेस्ट गोलकीपर एचटीसी दुर्ग के खिलाड़ी वैभव चंदेल बने। टूर्नामेंट में उभरते खिलाड़ी तिलक और तन्मय ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का पसंदीदा खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। टूर्नामेंट की रनरअप सिवनी मध्यप्रदेश की टीम रही, जबकि भुसावल की टीम ने टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। फाईनल मैच में दुर्ग महापौर अलका बाघमार बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने की। विशेष अतिथि के रुप में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम, जिला भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष रोहित सिंह राजपूत, एमआईसी प्रभारी चंद्रशेखर चंद्राकर, लीलाधर पाल, निलेश अग्रवाल, जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह, जिला भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, प्रदेश हॉकी संघ अध्यक्ष फिरोज अंसारी, पार्षद सरिता विनोद चंद्राकर, लोकेश्वरी ठाकुर, पार्षद प्रतिनिधि सुरेश गुप्ता, बसंती गायकवाड़, भाजपा नेता विनोद चंद्राकर, अरविंद ताम्रकार मौजूद रहे। अतिथियों द्वारा विजेता टीम एचटीसी दुर्ग को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। सिवनी और भुसावल की टीम को क्रमश: रनरअप और तीसरा पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर अलका बाघमार ने कहा कि एकता कप हॉकी प्रतियोगिता हमें यह प्रेरणा देती है कि चाहे साधन और संसाधनों का कितना भी अभाव हो, वह दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे सब बौने साबित होते है। उन्होने जिला हॉकी संघ को आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि शहर में पूर्व की भांति बहुत जल्द ही खेलप्रेमियों को महापौर ट्रॉफी का आयोजन देखने का अवसर मिलेगा। दुर्ग नगर निगम जिला हॉकी संघ के हर गतिविधियों में साथ है। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने कहा कि जिला हॉकी संघ द्वारा शहर में लंबे समय से हॉकी एस्ट्रोटर्फ ग्राउंड की मांग करते आ रही है। उनकी मांगो को हरसंभव पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। इसके पहले जिला हॉकी संघ के उपाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी सूर्यमणि मिश्रा ने कहा कि जिला हॉकी संघ द्वारा आगामी समय में भी ऐसे आयोजन किए जाएंगे। जिससे दुर्ग में हॉकी टूर्नामेंट का नाम देश व प्रदेश में रौशन हो सके। श्री मिश्रा ने बताया कि बच्चों को हॉकी खेल से जोड़ने के लिए जल्द ही ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिससे खेल प्रतिभाएं और आगे आएंगे।

आयोजन में जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष अय्युब इरफान, सचिव जहांगीर खान, उपाध्यक्ष सूर्यमणि मिश्रा, सुनील नवघरे, वहीद खान, अब्दुल हनीफ खान, मोहम्मद एजाज कुरैशी, सहसचिव रशीद अली खान, खुर्शीद बख्श, फ्हीम खान, मोहम्मद फारुख, उबेद कुरैशी, धीरेन्द्र यादव, कोषाध्यक्ष नियाजुद्दीन शेख, सह कोषाध्यक्ष इशाक खान, हॉकी खिलाड़ी विनोद वाघ, दलबीर सिंह, डॉ. अजय लांजीवार, मिर्जा शफी अहमद, नजुमुद्दीन, अंसार खान, गुलाम रहमानी, विनीता नवघरे, भूमि उपाध्याय एवं अन्य खिलाड़ियों ने व्यवस्था बनाने में योगदान दिया। बता दें कि जिला हॉकी संघ द्वारा टूर्नामेंट को रोमांचक बनाने 7 ए साईड प्रारुप पर आयोजित एकता कप हॉकी टूर्नामेंट में देश व प्रदेश की कुल 20 हॉकी टीमें शामिल हुई। जिनमें नागपुर, भुसावल(महाराष्ट्र), उमरिया, सिवनी (म.प्र.), दुर्ग, राजनांदगांव,कवर्धा,कुरुद, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, जगदलपुर (छ.ग.), एचटीसी के अलावा अन्य टीमें शामिल थी। फाईनल मैच रोमांच से भरा रहा। जिसे देखने हजारों की संख्या में खेलप्रेमी मैदान में डटे रहे।

टिकरापारा बालक हॉस्टल में भाजयुमो के 'समरसता भोज' में शामिल हुए सांसद, युवाओं के साथ किया संवाद

बाबा साहेब के संविधान ने ही हमें जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा का अधिकार दिया: सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पकार बताया।

समरसता भोज: जातिगत भेदभाव मिटाने की पहल- सांसद श्री अग्रवाल भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा टिकरापारा स्थित बालक छात्रावास में आयोजित 'समरसता भोज' में शामिल हुए। यहाँ उन्होंने युवाओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनसे सीधा संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने समाज में एकता और समानता का संदेश देते हुए कहा कि , आज भारत रत्न बाबासाहेब अंबेडकर जी की जयंती है और बाबासाहेब अंबेडकर जी ने पूरे देश में एकरूपता, समरूपता और समरसता का संदेश दिया था कि हमारे संविधान में कोई छोटा नहीं है, कोई बड़ा नहीं है, सब बराबर हैं और सबको एक वोट का अधिकार दिया था। और इसलिए आज भी कहीं न कहीं थोड़ा बहुत लोगों में भेदभाव या जातिगत भावना है, उसको दूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने यह तय किया कि 'समरसता भोज' का आयोजन ऐसे स्थानों पर करेंगे और उसके माध्यम से एक समरसता का संदेश देंगे। और उसी के तहत आज यह टिकरापारा SC छात्रावास में हमारे भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा में अर्पित सूर्यवंशी जी, उनके नेतृत्व में समरसता भोज का आयोजन किया गया और मेरा सौभाग्य है कि उसमें मुझे भी शामिल होने का अवसर मिला।

प्रतिमा अनावरण: नई पीढ़ी के लिए प्रेरणापुंज- इसके पश्चात, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल रायपुर के कचहरी चौक पहुंचे, जहाँ उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के साथ छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी, 21 फीट ऊँची बाबा साहेब की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि रायपुर के हृदय स्थल में स्थापित यह विशाल प्रतिमा हमारी नई पीढ़ी को सदैव बाबा साहेब के संघर्षों और उनके महान आदर्शों की याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा कि ,बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से हमें वह शक्ति और अधिकार दिए हैं, जिसके कारण आज हम लोकतंत्र के इस मंच पर जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा कर पा रहे हैं। यदि बाबा साहेब और उनका दिया संविधान न होता, तो शायद हम आज सांसद, मंत्री या विधायक के रूप में यहाँ उपस्थित न होते। कार्यक्रम में भाजयुमो के पदाधिकारी, भारी संख्या में छात्र एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने बाबा साहेब के जयकारों के साथ समरस समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

हर्रा वनौषधि प्रसंस्करण से आत्मनिर्भर बनीं महिलाएं

रायपुर। वनधन योजना (Pradhan Mantri Van Dhan Yojana - PMVDY) ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव और आर्थिक सशक्तिकरण की एक माध्यम बन गई है। ट्राइफेड (TRIFED) और जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से, यह योजना स्थानीय वन उत्पादों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन (value addition) के माध्यम से महिलाओं को उद्यमी बना रही है।

जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित कांकेर के अंतर्गत संचालित वनधन योजना ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। इच्छापुर का हर्रा वनौषधि प्रसंस्करण केन्द्र आज महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है।

वनधन विकास केन्द्र इच्छापुर की स्थापना के बाद मर्दापोटी कलस्टर के 17 गांवों के 2137 परिवार इससे जुड़े हैं। इनमें से 1512 परिवार लघु वनोपज संग्रहण के माध्यम से अपनी आजीविका चला रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा खनिज विकास निधि से मशीन, पैकेजिंग सामग्री और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए, जिससे प्रसंस्करण केन्द्र का संचालन शुरू हो सका। इस केन्द्र का संचालन इंदिरा वन मितान स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। समूह की महिलाएं अब वनौषधियों का संग्रहण, प्रसंस्करण और पैकेजिंग का कार्य कर रही हैं, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला है। वर्तमान में केन्द्र में हर्रा, बहेड़ा, त्रिफला, अश्वगंधा, सफेद मूसली, नीम, सतावरी और आंवला चूर्ण सहित 8 प्रकार के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए मानकों के अनुसार पैकेजिंग की जाती हैद्य महिलाओं को समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही आयुर्वेद विभाग और राज्य संघ द्वारा तकनीकी सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे उत्पादों की गुणवत्ता में लगातार सुधार हो रहा है। पिछले चार वर्षों में इस केन्द्र द्वारा 75 लाख 76 हजार 375 रुपये के वनौषधि उत्पाद तैयार कर कांकेर मार्ट को आपूर्ति की गई है। इससे समूह की प्रत्येक सदस्य को सालाना लगभग 35 से 40 हजार रुपये तक की आय हो रही है। समूह की महिलाओं ने बताया कि पहले वे मजदूरी पर निर्भर थीं, जिससे आय अनिश्चितता रहती थी। लेकिन अब समूह से जुड़कर उन्होंने आयुर्वेदिक उत्पाद बनाना शुरू किया और आत्मनिर्भर बन गई हैं। आज समूह की ये महिलाएं न केवल अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर रही हैं, बल्कि समाज में अपनी अलग पहचान भी बना रही हैं। उनका बढ़ा हुआ आत्मविश्वास अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रहा है।

बैकवर्ड/फॉरवर्ड लिंकेजेस के आधार पर कार्यवाही कर नारकोटिक एक्ट के प्रकरण में उडीसा के 02 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

रायपुर। थाना तिल्दा नेवरा के अपराध क्रमांक 41/26, धारा 20(बी), 22(सी) एनडीपीएस एक्ट एवं 25 आर्म्स एक्ट के प्रकरण में दिनांक 28.01.2026 को थाना क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक-22, सासाहोली स्थित अटल निवास में रेड कार्यवाही कर महिला आरोपी मधु मिश्रा पति परस मिश्रा उम्र 30 साल निवासी वार्ड क्रमांक 22 शमशान घाट के पास अटल निवास सासाहोली थाना तिल्दा नेवरा रायपुर को गिरफ्तार कर कब्जे से 73 किलोग्राम गांजा, 790 नग प्रतिबंधित टेबलेट (नाइट्रोसन) नगद राशि 1,87,000/-रूपये, 06 नग मोबाइल फोन, 01 नग टैब कुल अनुमानित कीमत 41,75,000/- रूपये एवं 03 नग बटनदार चाकू जप्त कर महिला आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया था।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा थाना प्रभारी तिल्दा-नेवरा के नेतृत्व में थाना तिल्दा-नेवरा पुलिस की टीम द्वारा प्रकरण में बैकवर्ड/फॉरवर्ड लिंकेज के आधार पर

कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों की पतासाजी करते हुए तकनीकी विश्लेषण के आधार पर उड़ीसा निवासी प्रणब कुमार नाइक एवं सफीकुल रहमान खान को चिन्हांकित किया गया। तत्पश्चात टीम के सदस्य उड़ीसा रवाना हुए तथा आरोपियों की पतासाजी करते हुए प्रणब कुमार नाइक एवं सफीकुल रहमान खान को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे गिरफ्तार आरोपी मधु मिश्रा को गांजा एवं प्रतिबंधित टैबलेट (नाइट्रोसन) की बिक्री करते थे।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कब्जे से घटना से संबंधित 02 नग मोबाईल फोन जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों से बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंकेजेस के आधार पर अन्य आरोपियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर End-to-End कार्यवाही की जा रहीं है।

गिरफ्तार आरोपी

01. प्रणब कुमार नाईक पिता कुमुदचन्द्र नाईक उम्र 29 साल निवासी तहसीर, थाना केसिंगा जिला कालाहाण्डी उडीसा।

02. सफीकुल रहमान खान पिता मुस्तफा खान उम्र 35 साल निवासी सिमेलपाली थाना कोमना जिला नुवापाडा उडीसा।

यातायात द्वारा जप्त वाहन पुलिस कस्टडी से चुराना पड़ा महंगा, मालिक और चालक पर हुई सख्त कार्यवाही

रायपुर। थाना गंज पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए जप्त वाहन चोरी के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 07.04.2026 को वाहन क्रमांक CG12BH3683 को यातायात थाना फाफाडीह क्षेत्रांतर्गत प्रतिबंधित मार्ग पर प्रतिबंधित समय में प्रवेश करने पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 115/184 के तहत कार्यवाही कर उक्त वाहन को यातायात थाना फाफाडीह के सामने खड़ा कराया गया था। दिनांक 09-10/04/2026 की मध्य रात्रि उक्त जप्त वाहन को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले जाया गया। घटना की सूचना पर थाना गंज पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी एवं वाहन की पतासाजी प्रारंभ की गई। पतासाजी के दौरान वाहन मालिक सुभाष साहू को थाना तलब कर कड़ाई से पूछताछ की गई, जिस पर उसके द्वारा वाहन चालक तुलेश्वर साहू को फोन कर थाना उपस्थित होने हेतु बुलाया गया।

तत्पश्चात वाहन चालक तुलेश्वर साहू थाना उपस्थित हुआ, जिससे गहन पूछताछ करने पर उसने वाहन क्रमांक मेटाडोर ष्ट्ठ12क्चा3683 को रांवाभाठा के पास खड़ा करना बताया। आरोपी के बताए अनुसार वाहन को गवाहों के समक्ष विधिवत पुलिस कब्जे में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपराध करना स्वीकार किए जाने पर दिनांक 14.04.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपी:

1. तुलेश्वर साहू उर्फ जुगल साहू, पिता भुनेश्वर साहू, उम्र 22 वर्ष, निवासी गतौरी बजरंग चौक, थाना कोनी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
2. सुभाष साहू उर्फ राजू, पिता फगू लाल साहू, उम्र 36 वर्ष, निवासी ढेंगुर नाला कोहड़िया, थाना CSB, जिला कोरबा (छ.ग.)

थाना गंज पुलिस की इस त्वरित कार्यवाही से जप्त वाहन चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिसम्मत कार्यवाही की गई है।

कोतवाली क्षेत्र के गांधी मैदान क्षेत्र में भी असामाजिक तत्वों पर हुई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, 04 व्यक्ति गए जेल

थाना गंज पुलिस द्वारा एकदिवसीय अभियान चलाकर 07 स्थाई और 12 गिरफ्तारी वारंट किए तामील

रायपुर। डीसीपी सेंट्रल जोन के कोतवाली डिवीजन में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु फरार आरोपियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दिनांक 13.04.2026 को थाना गंज द्वारा उल्लेखनीय कार्यवाही करते हुए एक ही दिन में 07 स्थाई और 12 गिरफ्तारी कुल 19 वारंट तामील किए गए। तामील किए गए वारंटों में स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं, जिनमें से कई प्रकरण वर्ष 2018 एवं 2019 के 5 से 6 वर्षों पूर्व के मामले भी शामिल हैं। इन पुराने प्रकरणों में कार्यवाही कर पुलिस द्वारा न्यायालयीन आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, वहीं जेल निरुद्ध आरोपियों की तामिली कर

न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण की गई। साथ ही जिन प्रकरणों में वारंट निरस्त हो चुके थे अथवा संबंधित व्यक्तियों का निधन हो चुका था, उनमें भी विधिसम्मत निराकरण किया गया। इस व्यापक कार्यवाही से लंबे समय से लंबित प्रकरणों को गति मिलने के साथ-साथ फरार वारंटियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। इसी क्रम में थाना कोतवाली द्वारा गांधी मैदान क्षेत्र में उपद्रव कर शांति भंग करने एवं पुलिस के समक्ष आक्रामक व्यवहार करने वाले 4 व्यक्तियों के विरुद्ध त्वरित

प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। सभी को विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किए जाने उपरांत न्यायिक अभिरक्षा में केंद्रीय जेल भेजा गया। सेंट्रल ज़ोन कोतवाली डिवीजन की इन समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाइयों से स्पष्ट संदेश गया है कि वर्षों से लंबित वारंटों की तामिली हो या सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव—हर स्थिति में पुलिस द्वारा त्वरित एवं सख्त वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और

संक्षिप्त समाचार

ओसीअन ग्रो गांजा के प्रकरण में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहित पाल पिता देवेन्द्र पाल उम्र 29 वर्ष पता शाहदरा, हंसराज मार्ग थाना शाहदरा दिल्ली 110032 हाल पता अशोका हाईट्स जे 101 मोवा रायपुर दिनांक गिरफ्तारी 13.04.2026 के 19.30 बजे विवरण - दिनांक 11.04.2026 के रात 09.40 बजे मुखबीर से सूचना मिला कि जोगी बंगला के पास सिविल लाईन रायपुर में एक व्यक्ति मादक पदार्थ गांजा बेच रहा है। जिस पर थाना सिविल लाई रायपुर पुलिस के द्वारा रेड कार्यवाही कर आरोपी रितिक पसरिचा पिता अश्वनी पसरिचा उम्र 26 वर्ष साकिन मकान नंबर 106ए पोकेट ए दिलशाद गार्डन थाना सीमापुरी जिला शाहदरा दिल्ली ईस्ट 110095 हाल पता अशोका हाईट्स मोवा जे 101 रायपुर 70ग0 के कब्जे से मादक पदार्थ गांजा कुल 2.870 किलोग्राम तथा ओसियन ग्रो गांजा का कुल वजन 114 ग्राम, प्लास्टिक का जीपर पन्नी 52 नग, दो नग इलेक्ट्रॉनिक तराजू, 3000 रु0 नगदी बिक्री रकम एवं मोबाईल जप्त किया गया आरोपी रितिक पसरिचा से पूछताछ पर बताया कि आरोपी मोहित पाल एवं एक अन्य आरोपी के साथ मिल कर दिल्ली से कुरियर के माध्यम से गांजा एवं ओसियन ग्रो गांजा भेजता था जिसे आरोपी रितिक रायपुर मे लेता था और रायपुर में अधिक कीमत में बेचते थे। मोहित पाल और कुलदीप पाल भी रायपुर आते थे और रितिक के साथ मिल कर रायपुर मे गांजा बेचने का काम करते थे। दिनांक 13.04.2026 को आरोपी मोहित पाल का रायपुर आने की सूचना मिलने पर आरोपी मोहित को हिरासत में ले कर पूछताछ करने एवं मोबाईल का विश्लेषण करने पर आरोपी रितिक के साथ गांजा तथा ओसियन ग्रो गांजा बेचने का चैटिंग एवं ऑन लाईन रकम लेनदेन का साक्ष्य मिलने पर आरोपी मोहित पाल को दिनांक 13.04.2026 को गिरफ्तार किया गया जिसे न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। प्रकरण में एक अन्य आरोपी का पतासाजी जारी हैद्य रायपुर में गांजा तथा ओसियन ग्रो गांजा खरीदने वाले कस्टमर के बारे मे भी जानकारी इकट्ठा की जा रही है।

तेलीबांधा क्षेत्रांतर्गत काशीराम नगर स्थित सुने मकान मे चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। दिनांक 10-04-2026 को प्रार्थी अजय ठाकुर अपने काम पर था एंव उसके घर वाले मोहल्ले के शादी कर्याक्रम मे जाने से घर सुना हो गया जिसका फायदा उठाकर 02 सोने की अंगुठी, 02 सोने की मोती माला, कान के सोने का टाप्स, सोने की मंगलसुत्र, 02 नग चांदी की कटोरी, 02 नग चांदी की चम्मच, 01 नग सोने का लाकेट गणपति जी का, चांदी का 02 नग करधन, चांदी की अंगुठी 02 नग, चांदी का सिक्का 10-12 नग, बिछिया 04 जोडी, चांदी का 02 जोडी छोटा, बडा कंगन, चांदी का तीन सेट वाली बिछिया 01 जोडी एवं 30 हजार रूपये नगद जुमला किमती 4,05,000 रूपये को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया प्रार्थी के रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 174/26 धारा 331(4)305 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी तेलीबांधा के नेतृत्व में थाना तेलीबांधा पेट्रोलिंग एवं सिविल पेट्रोलिंग की टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा अज्ञात आरोपी का मुखबीर सुचना एवं आस पास के कैमरे के फुटेज के अधार पर संदेही अरोपी आकिब कुरैशी को हिरासत के लेकर पुछताछ कर सत प्रतिशत चोरी की गई संपत्ती का रिकवार कर 24 धंटे के भितर आरोपी आकिब कुरेशी को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध कार्यवाही किया गया। गिरफ्तार मुख्य आरोपी - आकिब कुरैशी पिता अख्तर कुरैशी उम्र 33 साल साकिन काशीराम नगर मस्जिद के पास थाना तेलीबांधा जिला रायपुर (छ0ग0)।

बिलासपुर से अयोध्या धाम के लिए स्पेशल ट्रेन रवाना

रायपुर। बिलासपुर संभाग के विभिन्न जिलों के श्रद्धालुओं के लिए आज एक विशेष आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत हुई, जब 850 यात्रियों को लेकर स्पेशल ट्रेन बिलासपुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस यात्रा के दौरान यात्रियों को अयोध्या धाम के दर्शन के साथ-साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन का भी पुण्य अवसर प्राप्त होगा।

इस विशेष ट्रेन को केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राजेश चंद्रवंशी, मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग सिंह, जिला पंचायत सीईओ बिलासपुर संदीप अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

ट्रेन के प्रस्थान के दौरान रेलवे स्टेशन पर उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। जिला प्रशासन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, रेलवे तथा आईआरसीटीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तीर्थ यात्रियों का स्वागत-सत्कार किया। यात्रियों को यात्रा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान करते हुए उनके सुखद एवं सुरक्षित सफर के लिए शुभकामनाएं भी दी गईं। यह विशेष तीर्थ यात्रा न केवल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का अवसर है, बल्कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। यात्रियों में इस यात्रा को लेकर विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

संपादकीय

तजुर्बे को झेलना आसान नहीं

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। ईरान का यह एलान चौंकाने वाला है कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में आखिर कैसे पहुंचा? कोई देश अमेरिकी फॉर्मूले को ठुकरा कर युद्ध खत्म करने के लिए अपनी शर्तें पेश करे, दुनिया के लिए यह नया तजुर्बा है। खासकर शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। इसीलिए ईरान का यह एलान चौंकाने वाला साबित हुआ कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में पहुंचा, तो उसकी संभवत: तीन वजहें हैं। एक तो वहां का नेतृत्व मरने-मारने की मनोदशा में है, दूसरे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जारी वार्ता के बीच दो बार हमले कर अपनी साख गंवा दी है, और तीसरे लगभग चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध की कथा बदल डाली है। ईरान की जबरदस्त बर्बादी एक तथ्य है। अमेरिका के मुताबिक उसने लगभग दस हजार ईरानी ठिकानों पर बमबारी की है। मगर लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी है। अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के 13 सैनिक अड्डों को इस तरह तबाह किया है कि वहां किसी का रहना संभव नहीं रह गया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान लगभग 20 अमेरिकी लड़ाकू विमान या तो नष्ट कर दिए गए या वे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35 भी है। इसी तरह अमेरिका के बहुचर्चित बेड़े अब्राहम लिंकन और जेराल्ड फोर्ड पर ईरान ने मिसाइलें दागीं, जिनसे उन्हें नुकसान होने की चर्चा रही है। इस बीच इजराइल के अंदर ईरानी मिसाइलों ने अंदर तक घुस कर मार की है। ऐसे में नए ईरानी नेतृत्व का आकलन संभवत: यह है कि जमीनी हमले की तैयारी के साथ-साथ अमेरिका युद्धविराम का फॉर्मूला भी भेज रहा है, तो उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। फिर, जब युद्ध में ईरान को अपने सर्वोच्च नेतृत्व को गंवाने से लेकर जान-माल की व्यापक क्षति झेलनी पड़ी है, तो पुराने मुद्दों और उन्हीं अमेरिकी शर्तों पर फिर बात करने का कोई तुक नहीं रह जाता। तो ईरान ने अमेरिकी फॉर्मूला ठुकरा दिया है। अमेरिकी शासक वर्ग के लिए इस तजुर्बे को झेलना आसान नहीं होगा।

डिग्री मतलब रोजगार की गारंटी नहीं है

रोजगार दो क्षेत्रों में मिला करता है। एक सरकारी क्षेत्र और दूसरा निजी क्षेत्र।सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सीमित होते हैं लेकिन ज्यादातर लोग सरकारी नौकरी चाहते हैं और अवसर सीमित होने के कारण सबको सरकारी नौकरी मिलती नहीं है। सरकारी नौकरी की मांग ज्यादा है, इसलिए उसके प्रतिस्पर्धा भी सबसे ज्यादा है।जो प्रतिस्पर्धा मे सफल होते हैं, उनको सरकारी नौकरी मिलती है।निजी क्षेत्र मे सरकारी से ज्यादा रोजगार के मौके होते हैं। आदमी के पास किसी भी तरह की योग्यता है, जिसकी निजी क्षेत्र में मांग है तो वहां उसको काम की कमी नहीं है।यही वजह है निजी क्षेत्र में देश के सबसे ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है। कई लोग इसलिए उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं कि उनके पास उच्च शिक्षा की डिग्री होगी तो नौकरी तो मिल ही जाएगी। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि जिनके पास उच्च शिक्षा की डिग्री है उनको भी नौकरी नही मिलती है। यानी डिग्री या उच्चशिक्षा की डिग्री होने का मतलब यह नहीं है कि नौकरी मिलने की गारंटी है।छत्तीसगढ़ के रोजगार कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक तो 15 लाख शिक्षित बेरोजगार है,इनमें से 4.7 लाख युवाओं के पास उच्च शिक्षा की डिग्री है,लेकिन उनको नौकरी नहीं मिल रही है। बीई,बीटेक,आईटीआई डिप्लोमा कर बेरोजगारों की संख्या 3.59 लाख है।उनके पास स्किल है लेकिन उनको नौकरी नहीं मिल रही है। बताया जाता है उनके पास वो स्किल नही है, जिसकी बाजार में मांग है। कोई भी प्रदेश हो वहां शिक्षा व रोजगार के बीच असंतुलन गंभीर समस्या है।शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ने से राज्य में शिक्षित युवाओं की संख्या तो बढ़ती है लेकिन शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के उतने अवसर नहीं बढ़ते हैं। ऐसे में युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए प्रयास करना पड़ता है। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बहुत है, लाखो करोड़ों लोगों को रोजगार मिला भी हुआ है।निजी क्षेत्र में सीधा सा गणित होता है कि जैसी योग्यता की बाजार में मांग है, वैसी योग्यता है तो युवाओं को बहुत पैसा मिलता है। औसत योग्यता वालों को उतना ही मिलता है जितना औसत योग्यता वालों को मिलना चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि सरकार शिक्षित व श्रमिक वर्ग के लिए कुछ नहीं करती है। सरकार के प्रयास से ही यह तय होता है कि किस पद पर कितना वेतन मिलेगा,कुशल,अकुशल व अर्धकुशल श्रमिक को कम से कम कितना पैसा मिलना चाहिए। इसके बाद भी कई क्षेत्रों में लोगों को तय पैसा भी नहीं मिलता है। निजी क्षेत्र मे बहुत से लोगों को कम वेतन में काम करना पड़ता है क्योंकि उनके पास विकल्प नहीं होता है।कई क्षेत्र में लोगों से ज्यादा वेतन पर्ची पर हस्ताक्षर करवा कर कम पैसे दिए जाते हैं।कई जगह सरकार द्वारा घोषित वेतनमान नहीं दिया जाता है। वेतनमान न देना पड़े इसलिए संविदा में काम कराया जाता है। आदमी चाहे कम वेतन मे काम करे,संविदा में काम करे,उसका शोषण तो होता है तो इसके लिए सरकार को लोग दोषी ठहरा सकते हैं। लेकिन यह भी समझने की जरूरत है कि बेरोजगारों की संख्या बढ़ जाती है,बहुत होती है तो उनकी मांग कम हो जाती है। यानी श्रम सस्ता हो जाता है, यानी ज्यादा पैसा नहीं मिलता है।भारत में लोगों को काम का ज्यादा पैसा नहीं मिलता है यह एक समस्या है यानी इसे जहां श्रमिकों के नजरिए से देखा जाए तो उनको ज्यादा पैसा न मिलना एक समस्या तो है, लेकिन औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए भारत में श्रम सस्ता होना एक ऐसी विशेषता है कि दूसरे देशों के उद्योगपति यहां कारखाने लगाने आ रहे हैं। यानी भारत मे श्रम सस्ता होने के कारण भारत का औद्योगिक विकास तेजी से हो रहा है।यानी जितने कल कारखाने देश व राज्यो मे लगेगे लोगों को आने वाले दिनों में उतना ही रोजगार मिलेगा। श्रमिक अशांति फैलाने वालों को समझने की जरूरत है कि रोजगार सबको तब ही मिलेगा जब देश में उद्योग लगेंगे,उद्योग तब ही किसी देश में लगते हैं जब वहां शांति होती है।

नारी-आरक्षण: नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निर्माता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

फांसी जैसी सजा से ही रुकेंगी पुलिस हिरासत में मौतें

योगेंद्र योगी

देश के न्यायालयों ने एक बार फिर पुलिस का वीभत्स चेहरा उजागर कर दिया है। आम लोगों की सुरक्षा के गठित किया गया पुलिस तंत्र किस कदर तानाशाह बन गया है, अदालतों के फैसलों ने इसे बेनकाब किया है। मदुरै की एक अदालत ने सातानुकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सजा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है। तूतीकोरिन ज़िले के सातानुकुलम के व्यापारी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को 19 जून 2020 को कोरोना काल के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद 21 जून को दोनों को कोविलपट्टी जेल में रखा गया। 22 जून की रात क़रीब 9 बजे बेनिक्स की मौत हो गई, जबकि अगली सुबह जयराज की भी मौत हो गई। इस मामले ने पूरे देश में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने खुद संज्ञान लेते हुए पुलिस से रिपोर्ट मांगी। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया। इसी तरह लुधियाना जिले में करीब छह साल पहले रिकवरी एजेंट दीपक शुक्ला की थाना डिविजन नंबर 5 की पुलिस हिरासत में हुई थी। मौत के मामले में लुधियाना की अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने मामले की गंभीरता और साक्ष्यों को देखते हुए चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के तहत आरोप तय करने के आदेश जारी किए हैं। यह पूरा मामला फरवरी 2020 का है, जब पुलिस ने दीपक शुक्ला को वाहन चोरी के एक मामले में हिरासत में लिया था। दीपक पर चोरी का झूठा मामला दर्ज कर उसे अमानवीय यातनाएं दीं। 26 फरवरी 2020 की रात दीपक ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद पुलिसिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। दीपक के परिवार ने इंसाफके लिए एक लंबी और थका देने वाली कानूनी लड़ाई लड़ी।

पंजाब के मोगा जिले में भिंदर सिंह की मौत गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं देने से हुई थी। न्यायिक जांच में सामने आया कि भिंदर सिंह को कथित तौर पर गैरकानूनी हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं। इस मामले में स्थानीय अदालत ने पंजाब पुलिस के पांच कर्मियों के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में ट्रायल चलाने का आदेश देते हुए केस को सेशन कोर्ट में भेज दिया है। जुलाई 2024 को मध्यप्रदेश के बिलाखेड़ी निवासी युवक की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। पुलिस ने 8 लाख रुपये की कथित चोरी के आरोप में उसे हिरासत में लिया था। हिरासत में मौत के बाद उसकी मां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसके परिणामस्वरूप 15 मई को सीबीआई जांच का आदेश जारी हुआ। इस जांच के सिलसिले में एजेंसी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि हिरासत में हुई मौत के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जाने वाले दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अभी भी फरार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 25 नवंबर 2025 को एक मामले की सुनवाई करते हुए हिरासत में हिंसा और मौतों को सिस्टम पर धब्बा बताया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा था कि अब यह देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। यह सिस्टम पर धब्बा है। हिरासत में मौतें नहीं हो सकतीं। शीर्ष अदालत पूरे भारत के पुलिस स्टेशनों में काम न कर रहे सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर स्वत: संज्ञान लेकर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। 4 सितंबर को दिए गए अपने आदेश का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में 11 हिरासत में हुई मौतों की रिपोर्ट सामने आई है।कोर्ट ने कहा कि इससे साफ़है कि हिरासत में अत्याचार कम होने के बजाय जारी हैं। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र की ओर से थानों में सीसीटीवी को लेकर मांगी गई रिपोर्ट न सौंपने पर कड़ी नाराज़गी जताई थी। केंद्र सरकार ने एक भी रिपोर्ट जमा नहीं की। जस्टिस नाथ ने इस पर कड़ा एतराज़ जताते हुए कहा था कि केंद्र सरकार अदालत के आदेशों को हल्के में नहीं ले सकती। उन्होंने पूछा, केंद्र सरकार अदालत को बहुत हल्के में ले रही है, क्यों?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अनुसार, 2016 और 2022 के बीच भारत में हिरासत में 11,650 मौतें हुईं। अकेले उत्तर प्रदेश में 2,630 हिरासत में मृत्युएँ दर्ज की गईं, जो देश में सबसे अधिक है। आंकड़ों के 2023 के विश्लेषण से पता चलता है कि 2017 और 2022 के बीच, हिरासत में हुई मृत्युओं के संबंध में देश भर में केवल 345 मजिस्ट्रियल जाँच के आदेश दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप केवल 123 गिरफ्तारियाँ हुईं। एनएचआरसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 1996 और 2018 के बीच हिरासत में हुई 71ब मौतें गरीब या कमज़ोर पृष्ठभूमि के बंदियों की थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, 1997 के फैसले में गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित अनिवार्य सुरक्षा उपाय निर्धारित किए थे। जिसके तहत रिश्तेदारों को सूचित करना, गिरफ्तारी ज्ञापन रखना, चिकित्सा परीक्षण, कानूनी परामर्श, 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करना अनिवार्य था। इन दिशा—निर्देशों को अनुच्छेद 141 के अंतर्गत प्रवर्तनीय कानून माना जाता है। न्यायालय का यह आदेश कहीं धूल फांक रहा है। न्यायमूर्ति बी.एस. चौहान की अध्यक्षता में गठित भारतीय विधि आयोग ने 30 अक्टूबर, 2017 को तत्कालीन विधि एवं न्याय मंत्री रवि शंकर प्रसाद को सौंपी गई अपनी 273 वीं रिपोर्ट में केंद्र सरकार से संयुक्त राष्ट्र संघ के यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि करने और यातना निवारण कानून लागू करने की सिफारिश की थी। आयोग ने यातना निवारण के लिए ठोस तर्क प्रस्तुत किए हैं। इस रिपोर्ट में यातना निवारण विधेयक के अलावा विधि आयोग ने यातना उन्मूलन के उद्देश्य को सार्थक बनाने के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव दिया था। रिपोर्ट में यातना के खतरे को कम करने और यातना के कृत्यों पर रोक लगाने और ऐसे कृत्यों के अपराधियों के लिए कठोर दंड की सिफारिश की गई। इस रिपोर्ट के साथ संलग्न विधेयक के मसौदे में आजीवन कारावास और जुर्माने तक के दंड का प्रावधान था। आयोग ने न्यायसंगत मुआवजे का निर्णय न्यायालयों पर छोड़ दिया। इसके अलावा, आयोग ने यातना पीड़ितों, शिकायतकर्ताओं और यातना के मामलों के गवाहों को संभावित खतरों, हिंसा और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करने की सिफारिश भी की गई थी।

1997 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र यातना-विरोधी सम्मेलन की पुष्टि नहीं की। इसकी पुष्टि करने का अर्थ यह होता कि भारत को यातना निवारण विधेयक पारित करना होगा, जिसे पहली बार 2010 में यूपीए द्वितीय सरकार द्वारा पेश किया गया था। इसमें किसी लोक सेवक द्वारा या लोक सेवक की सहमति से ऐसा कृत्य, जिससे गंभीर चोट पहुंचे या जीवन, अंग या स्वास्थ्य (मानसिक या शारीरिक) को खतरा हो। इसमें जबरन कबूलनामा करवाने के उद्देश्य से, या धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा, समुदाय या किसी अन्य आधार पर दंडित करने के लिए दी गई यातना के लिए न्यूनतम 3 वर्ष की सजा का प्रस्ताव था, जिसे 10 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। विधेयक आज तक कानून नहीं बन पाया। इससे साफ जाहिर है जो भी दल सत्ता में आता है, वह देश के मौजदा पुलिस सिस्टम में बदलाव नहीं करना चाहता। कारण साफ है यदि ऐसे कानून बन जाएंगे तो पुलिस अधिकारी नेताओं के इशारे पर नहीं नाचेंगे। जब नाचेंगे नहीं तो नेताओं के मौखिक तौर पर गैर कानूनी काम कैसे होंगे। यही वजह रही है कि केंद्र ने हाल ही में दंड संहिता को न्याय संहिता का नाम दे दिया है। इसमें पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई।

महिला आरक्षण-नया आयाम, क्यूँ ज़रूरी ?

बृजमोहन श्रीवास्तव

आज देश में सबसे चर्चित विषय महिला आरक्षण है और इसका महत्व देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के लेख से और अधिक हो गया है ।इसलिए यह ज़रूरी है कि इस आरक्षण के लिये हमारी तैयारी पर भी बात होना चाहिए ।

बात 1993-94 की है, जब मध्य प्रदेश में 73वें संविधान संशोधन के बाद पहली बार पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की घोषणा हुई। चूँकि ये चुनाव किसी राजनीतिक दल के चुनाव चिन्ह पर नहीं होने थे, इसलिए सभी नेता अपने-अपने समर्थित उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की तैयारी में थे।

मैंने व भोपाल सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अनिरूध प्रसाद शास्त्री जी ने यह निर्णय लिया कि हम भोपाल जिले की सभी पंचायतों व अन्य स्थानों में अपने प्रत्याशी खड़े करेंगे। चुनाव की तैयारी के प्रथम चरण में जब महिला प्रत्याशियों की तलाश शुरू की तो हमें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि संशोधन के कारण 33 प्रतिशत पद महिलाओं के लिये आरक्षित तो थे ही मगर उसमें भी पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए भी आरक्षण निर्धारित था। इसके चलते योग्य और इच्छुक महिला उम्मीदवारों का मिलना कठिन था।

जनपद सदस्य के लिये एक वार्ड अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित था। जब हमने उस वार्ड के लिए मतदाता सूची में महिला प्रत्याशी की तलाश शुरू की तो समझ आया कि चयन बहुत सीमित मतदाताओं में से ही करना पड़ेगा । तब हमें अपने एक समर्थक के खेत में काम करने वाली आठवीं पास युवा महिला—आशा मिली । जब हमने उस युवती के सामने चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा उसने आश्चर्य के साथ बस इतना ही कहा जैसा भैय्या बोलें मगर उसका अगला सवाल था - रोज़ी रोटी का क्या होगा और करना क्या पड़ेगा ? हमने उसे बताया कि चुनाव में लोगों से वोट मांगना होगा और जीतने के बाद जनपद सदस्य के रूप में जनता के लिए काम करना होगा। वहीं मेरे समर्थक ने उसे नौकरी चलते रहे का आश्वासन दिया । अपने पति से बातचीत कर वह चुनाव के लिए तैयार हो गई । उसके नामांकन के बाद चुनाव प्रचार के दौरान मैंने उसे वोट माँगते समय उसमें आ रहे बदलाव को क़रीब से महसूस किया और इस बदलाव की छलक एक छोटी-सी आम सभा में देखी । हम सभी का मानना था कि वह भाषण नहीं देगी मगर उसने सबको ग़लत साबित करते हुऐ भाषण दिया और ऐसा बोला कि देर तक तालियाँ बजती रहीं । उसने बहुत ही सरल, लेकिन आत्मविश्वास से भरे शब्दों में कहा— मैं इसी गाँव की बेटी हूँ। जब मैं यहाँ से निकलती थी, तो मेरे पैर मिट्टी में सन जाते थे। अगर मैं चुनाव जीती तो मेरी कोशिश होगी कि अब गाँव में किसी भी बेटी के पैर मिट्टी में नहीं सने। उसके ये शब्द वहाँ उपस्थित हर व्यक्ति के मन में गहराई तक उतर गए थे । मैंने उस कम शिक्षित, मजदूर आशा को आशा देवी बनने की यात्रा को क़रीब से देखा । मैं एक साधारण महिला को राजनेता बनते देख रहा था और यह इसलिए हो रहा था क्योंकि मुक़ाबले में महिलायें ही थी। वह चुनाव तो हार गई मगर चुनाव लड़ने से उसमें जो आत्मविश्वास पैदा हुआ उसने एक महिला नेत्री को जन्म दिया ।वह इससे आगे के चुनाव लड़ने की ख्वाहिश होने के बावजूद भी पिछड़ गई, मैं आज जब पूरे हालात का विश्लेषण करता हूँ तो मुझे लगता है कि यदि उसे पुरुष नेताओं के साथ संघर्ष नहीं करना होता तो शायद वह आज कम से कम जिला स्तर पर तो काम कर रही होती । यह एक महिला के नेता बनने और फिर गुमनाम होने की कहानी नहीं है बल्कि प्रतिभा, संकल्प और उर्जा से भरीं लाखों महिलाओं की बात है ।

संक्षिप्त समाचार

जगदलपुर : बस्तर में अवैध रेत कारोबार पर सतत निगरानी जारी

साल भर में वसूला 26 लाख से अधिक का जुर्माना

जगदलपुर (समय दर्शन)। बस्तर जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरूद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान की गई कार्यवाही के तहत कुल 32 प्रकरण दर्ज कर शासन के मद में 26,80,180 रुपये की भारी जुर्माना राशि जमा कराई गई है।

सहायक खनिज अधिकारी ने शिकायतों के आधार पर बकावंड तहसील के अंतर्गत बनियागांव क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। हालांकि निरीक्षण के समय मौके पर कोई मशीन या वाहन कार्यरत नहीं पाया गया, लेकिन प्रशासन ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी चैकसी बढ़ा दी है। पूर्व में भी इसी क्षेत्र में ओडिशा सीमा के पास अवैध उत्खनन करते हुए एक चैन माउंटेन पोकलेन मशीन को जब्त किया गया था, जिसमें संलिप्त व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 1,36,400 रुपये का अर्थदंड वसूला गया था।

खनिज अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार पिछले एक साल में अवैध परिवहन के 22 मामलों में आठ लाख से अधिक, अवैध भंडारण के 4 मामलों में लगभग बारह लाख और अवैध उत्खनन के 6 मामलों में साढ़े छह लाख रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया था। हाल ही में 29 मार्च 2026 को किए गए औचक निरीक्षण के दौरान बनियागांव और अन्य क्षेत्रों से अवैध परिवहन में संलिप्त चार और वाहनों को पकड़कर उनके विरुद्ध नए प्रकरण दर्ज किए गए हैं। खनिज अधिकारी ने इस संबंध में पुष्टि की है कि खनिज जांच दल द्वारा जिले के भीतर और सीमावर्ती इलाकों में खनिजों के अवैध दोहन को रोकने के लिए सतत निगरानी की जा रही है। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों से आग्रह किया गया है कि वे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल खनिज, राजस्व विभाग या नजदीकी पुलिस थाने को सूचित करें।

शराब पीने के दौरान जमीन विवाद, दो भाइयों ने युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी

दुर्ग (समय दर्शन)। अंडा थाना क्षेत्र स्थित खाड़ा गांव में शराब के नशे वाद विवाद के बाद हुए मारपीट के बाद युवक की मौत हो गई। पुलिस को घटना की सूचना मिलने पर पहुंचकर मृतक के शव को पीएम के लिए भेजकर हत्या करने वाले 2 भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

अंडा थाना क्षेत्र के खाडा गांव में घटना 12 अप्रैल की रात मृतक शंभू निषाद अपने दोस्तों से मिलने गया था। जहां शराब की पार्टी किए और शराब के नशे में मृतक और आरोपियों के बीच जमीन को बात को लेकर वाद विवाद हो गया विवाद में दोनों आरोपियों ने मृतक की जमकर पिटाई कर दी। जिसके बाद आरोपियों ने मृतक घर वालों को सूचना दी जिसके बाद मृतक शंभू अपने घर में जाकर सो गया।

मृतक शंभू को अंदरूनी चोट लगने की वजह से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेजकर आरोपियों की पतासाजी में जुट गई थी।पुलिस ने मृतक के मित्र संतोष यादव और रोहित यादव को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया मृतक शंभू निषाद अहमदाबाद (गुजरात) में वेल्डिंग का काम करता था। करीब 15 दिन पहले ही वह परिवार से मिलने गांव आया था। इसी दौरान 12 अप्रैल की रात करीब 10 बजे शंभू अपने मित्र संतोष यादव और रोहित यादव के घर पहुंचा। जहां तीनों के बीच शराब के नशे में बातचीत शुरू हुई। बातचीत के दौरान वाद विवाद में बदल गई। विवाद की वजह गांव की आबादी जमीन बताई जा रही है। शंभू ने इस मामले में सरपंच से बात करने को कहा। इस पर आरोपियों ने उसे खुद ही सरपंच से बात करने को कहा। इस बात को लेकर आरोपियों ने मृतक की जमकर पिटाई कर दी और उसके घर वालों को जानकारी दी। और मृतक शंभू अपने घर में सो गया लेकिन दूसरे दिन उठा नहीं तो परिजनों ने अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी है।पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो भाइयों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने पीलिया प्रभावित क्षेत्रों का किया सघन दौरा

दुर्ग (समय दर्शन)। वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के निर्देशन में एवं डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में डॉ. पियाम सिंग, प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई व श्रीमती रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग श्री विजय सेजुले, सुपरवाईजर, श्री हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया। सेक्टर-07, स्ट्रीट-37ए भिलाई में पीलिया ग्रस्त होने के कारण लक्षण पाये गये मरीजों का रक्त नमूना लिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आज प्रभावित क्षेत्र में 01 पीलिया से ग्रसित नए मरीज पहचान किये। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में आज दिनांक तक कुल 37 पीलिया के मरीज़ मिले। जिनमें 01 पुराने मरीज डिस्चार्ज हुए। इस प्रकार भर्ती मरीज श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस भिलाई में 03, पल्स हास्पीटल, भिलाई-1 में 01 उपचाररत है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भुख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ ऊपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना। सेक्टर 7 भिलाई में सड़क 37 में पीलिया प्रभावित क्षेत्रों का स्वास्थ्य विभाग द्वारा 80 घरों में सर्वे किया गया। पानी नगर निगम भिलाई द्वारा सप्लाई किया जा रहा है, पाइप लाइन को बदला जा रहा है। बीएसपी भिलाई द्वारा जिला सर्वालेंस नोडल अधिकारी डॉ सीबीएस बंजारे, लाल बहादुर शास्त्री सिविल अस्पताल सुपेला भिलाई के प्रभारी डॉ पीयाम सिंह ,विकास खंड प्रशिक्षण अधिकारी, हितेंद्र कोसरे भिलाई, राजेंद्र डाहरे रिसाली, विजय सेजुले, रोहित मंडले, पर्यवेक्षक, पंकज राठौर, पंकज सिंहा, प्रिंस पीयूष टंडन, रमा शंकर यादव, पंकज राठौर अनिल धीमर, उपस्थित रहे। क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट उपस्थित रहकर मरीजों का जांच एवं उपचार किया गया। 13 शंकसपद मरीज का सेम्पल लिया गया। 01 मरीज नया मिला जिसे भर्ती के लिए सलाह दिया गया। 01 मरीज डिस्चार्ज हुआ है। अंशुल पिता एसआर एक्का 22/रू को भर्ती के लिए सलाह दिया गया। शिवम/जय प्रकाश 13/रू पुराना मरीज मिला। स्वास्थ्य शिक्षा दिया गया।

आज जेल, कल बेल, परसों फिर वही खेल..., गाने पर थाने में बनाई रील, दुर्ग पुलिस ने लगवाई उठक-बैठक

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग के उतई थाना परिसर में एक युवक द्वारा स्वयं का बनवाया हुआ रील इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में युवक मोबाइल पर बात करते हुए थाना परिसर से बाहर निकल रहा है। थाना परिसर से बाहर निकलने समय उसने आज जेल, कल बेल, परसों फिर वही खेल भोजपुरी गाने पर रील बनाई। सोशल मीडिया पर रील वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। रील में नजर आ रहे युवक को ढूंढ कर निकाला और थाने लाकर उससे उठक-बैठक कराई। युवक की पहचान हुकेश उर्फ हुक्का साहू के रूप में की गई है। मामले में पुलिस ने हुकेश के साथ रील बनाने में उसका सहयोग करने वाले आरोपित कनक चतुर्वेदी को भी गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपित स्टेशन पारा मरौदा के रहने वाले हैं।

जमानत पर बाहर आते ही रीलबाजी, साथी भी गिरफ्तार

उतई थाना प्रभारी ने बताया कि रील बनवाने वाला आरोपित हुकेश उर्फ हुक्का साहू (27) के विरुद्ध नेवई थाना में आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध है। आरोपित को पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आरोपित चार अप्रैल को जमानत पर रिहा होकर जेल से बाहर आया। रील बनाने में आरोपित का सहयोग करने वाले उसके साथी कनक चतुर्वेदी (24) को पुलिस ने पकड़ लिया है। दोनों आरोपितों के विरुद्ध धारा 170, 126, 135(3) बीएनएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई।

थाने की गरिमा प्रभावित करने पर हुई कार्रवाई

पुलिस की जांच में पाया गया कि उक्त वीडियो थाना परिसर के अंदर बनाया गया था, जिससे प्रशासनिक परिसर की गरिमा प्रभावित हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपित कब और किस काम से थाना आया था, इसके बारे में जानकारी नहीं लग पाई।

दुर्ग में आधुनिक तकनीक से तालाब सफाई अभियान तेज

दुर्ग, (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के तालाबों की सफाई में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सराहनीय पहल की है। निगम की पॉन्ड क्लीनर मशीन ने मात्र 48 घंटे के भीतर गौठान के समीप स्थित तालाब की सफाई कर उल्लेखनीय कार्य किया है। यह कार्य महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। पॉन्ड क्लीनर मशीन की विशेषता यह है कि जो कार्य मैन्युअल रूप से करना अत्यंत कठिन और समयसाध्य होता है, उसे यह मशीन बेहद कम समय में आसानी से पूरा कर देती है। सामान्यत: 10 दिनों में होने वाला कार्य यह मशीन मात्र 2 दिनों में पूर्ण करने की क्षमता रखती है। गौठान तालाब की सफाई के पश्चात मशीन को तत्काल ढोंगिया तालाब, वार्ड क्रमांक 56 बघेरा में स्थानांतरित कर सफाई अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। निगम द्वारा आगामी दिनों में शहर के सभी प्रमुख तालाबों की सफाई इसी मशीन के माध्यम से किए जाने की योजना है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता और जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। पॉन्ड क्लीनर मशीन के माध्यम से तालाबों की सफाई तेज और प्रभावी ढंग से हो रही है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि निगम का लक्ष्य शहर के सभी तालाबों को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना है। मशीन के उपयोग से कार्य की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार हुआ है। आने वाले समय में इस अभियान को और व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं को मिलेगा सशक्त प्रतिनिधित्व: शालिनी राजपूत

उत्तर बस्तर कांकेर (समय दर्शन)। देश में महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू किया जाएगा। इस अधिनियम के तहत लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे देशभर की महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का समान अवसर मिलेगा।

इस महत्वपूर्ण पहल पर छत्तीसगढ़ राज्य हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इससे सभी वर्ग, समाज और जाति की महिलाओं को नेतृत्व के क्षेत्र में आगे आने का अवसर मिलेगा और वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगी।

श्रीमती राजपूत ने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त हैं और इस अधिनियम के लागू होने से उनकी भागीदारी को और अधिक मजबूत करेगा। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार लगातार महिला सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में भी विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं के हित में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। विशेष रूप से महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को हर माह आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ रही है।

डॉ. प्रतीक उमरे ने जिला शिक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली पर उठाए गंभीर सवाल

दुर्ग, (समय दर्शन)। नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने भीषण गर्मी के लगातार बढ़ते प्रकोप के बावजूद स्कूलों के समय में परिवर्तन नहीं किए जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए उनकी गैर-जिम्मेदाराना और संवेदनहीन कार्यशैली की तीखी आलोचना की है। डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि वर्तमान में जिले में तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा रहा है और आने वाले दिनों में और भी वृद्धि की संभावना है।ऐसी स्थिति में छोटे बच्चों को दोपहर की प्रचंड गर्मी में स्कूल भेजना उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक है। लू लगने, डिहाइड्रेशन, थकान और अन्य गर्मी से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है फिर भी जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूलों के समय में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुबह के समय स्कूल संचालन करना वर्तमान परिस्थितियों में अत्यंत आवश्यक है। सुबह 7 बजे से 11 बजे तक या इससे पहले समय निर्धारित करके बच्चों को दोपहर की भीषण गर्मी से बचाया जा सकता है।लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी की उदासीनता और संवेदनहीनता इस गंभीर मुद्दे पर पूरी तरह से उजागर हो रही है। डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि शिक्षा विभाग का मुख्य दायित्व बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। यदि समय रहते उचित निर्णय नहीं लिया गया तो बच्चों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ होगा और इसके लिए पूर्ण रूप से जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा अधिकारी जवाबदेह होंगे। डॉ. प्रतीक उमरे ने जिला प्रशासन से मांग किया कि तुरंत स्कूल समय में संशोधन कर सुबह के समय कक्षाएं संचालित करने के निर्देश जारी किए जाएं। बच्चों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर समझौता का विषय नहीं हो सकती है।

जगदलपुर : जगदलपुर ग्रामीण क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में भर्ती हेतु 27 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर (समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना जगदलपुर (ग्रामीण) द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत ग्राम पंचायत नेतानार के रंधारीरास केंद्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का एक पद और ग्राम पंचायत माड़पाल के दीवानपारा केंद्र में आंगनबाड़ी सहायिका का एक पद भरा जाना है। इच्छुक महिला उम्मीदवार इन पदों के लिए 27 अप्रैल शाम 5 बजे तक अपना आवेदन और अनिवार्य दस्तावेजों की फाइल सीधे कार्यालय में जमा कर सकती हैं। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट https://aww.e-bharti.in/ पर जाकर रिक्तियों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पात्रता मानदंडों के अनुसार, इन पदों के लिए केवल वे महिला उम्मीदवार ही पात्र होंगी जिनकी आयु 18 से 44 वर्ष के बीच है और जो उसी ग्राम की स्थायी निवासी हैं जहाँ आंगनबाड़ी केंद्र स्थित है। शैक्षणिक योग्यता के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए 12वीं बोर्ड उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, जबकि सहायिका पद के लिए न्यूनतम योग्यता 8वीं बोर्ड उत्तीर्ण रखी गई है। चयन प्रक्रिया में विधवा, परित्यक्ता और गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को विशेष प्राथमिकता और अतिरिक्त अंक दिए जाने का प्रावधान है। आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन पत्र के साथ जन्म तिथि की पुष्टि हेतु अंकसूची, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र और यदि लागू हो तो जाति व अनुभव प्रमाण पत्र जैसे सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज स्व-प्रमाणित कर अवश्य संलग्न करें। यह भर्ती पूरी तरह से मानसेवी आधार पर होगी, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर बच्चों और महिलाओं के पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

क्या लीड थी, कि 3 दर्जन से अधिक सिपाहियों के साथ साहब ने दी दबिश, लौट खाली हाथ

बिलासपुर (समय दर्शन)। मस्तूरी गोली कांड के फ़रार आरोपियों के घर रात एक और तीन बजे पुलिस के तीन दर्जन से ज्यादा सिपाही और अधिकारियों ने दबिश दी। दोनों फ़रार आरोपी घर पर नहीं मिले आखिर बिलासपुर पुलिस के पास ऐसी कौन सी लीड थी जिसके कारण वे आधी रात को फ़रार आरोपियों के घर पहुंचे। और खाली हाथ वापस आए । दो-तीन दिन पूर्व ही केंद्रीय जेल बिलासपुर में मस्तूरी गोलीकांड के आरोपितों का एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो को देखकर लगता है कि मुलाकातीयों ने इसे बनाया है तो सीधी सी इसकी जिम्मेदारी जेल के प्रहरियों की है जो मुलाकात के पहले मुलाकातीयो का मोबाइल गेट पर जमा करवाता है। हाल ही में बिलासपुर पुलिस ने एक युवक को पकड़ा है बताया जाता है कि गिरफ्तार युवक ने पुलिस के सामने वह कहां से हथियार लता था और किसे देता था यह राज उगला। और यही वह लीड थी जिसके आधार पर पुलिस बड़ी संख्या में दोनों फ़रार आरोपियों के घर पहुंच गए। जिस तरह अलमारी की तलाशी ली गई है लेटरिंग बाथरूम के कमबोड तक चेक किए गए हैं। उससे लगता है कि वे आदमी नहीं सामान की तलाश कर रहे थे।

दूसरा लीड फ़रार आरोपी का एक पुराना मोबाइल नंबर अचानक जिंदा हो गया और इस नंबर के एक्टिव होते ही जांच एजेंसी को लगा कि फ़रार आरोपी मिल गया। दोनों लीड गलत निकली 5 महीने से अर्थात गोली कांड के दिन से ही बिलासपुर पुलिस के हाथ खाली हैं।

ईडीआईआई ने वर्ष 2026 के लिए युवाओं और बच्चों हेतु राष्ट्रीय उद्यमिता ग्रीष्मकालीन शिविरों की घोषणा की

अहमदाबाद: एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद, जो उद्यमिता विकास, शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान है, वर्ष 1992 से राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन कर रहा है। 12ङ्क16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों तथा 16ङ्क22 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए आयोजित ये विशेष ग्रीष्मकालीन शिविर, उनमें प्रारंभिक स्तर पर ही उद्यमी सोच विकसित करने के साथ-साथ उन्हें सफल जीवन के लिए आवश्यक कौशल सिखाने का उद्देश्य रखते हैं।

इस वर्ष 'एंटरप्रेन्योरियल स्टिमुलेशन फॉर चिल्ड्रेन' के 46वें और 47वें संस्करण क्रमश: 3ङ्क8 मई और 24ङ्क29 मई को संस्थान के परिसर में आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 'एंटरप्रेन्योरियल एडवेंचर्स फॉर यूथ' के 49वें और 50वें संस्करण क्रमश: 11ङ्क20 मई और 1ङ्क10 जून को आयोजित किए जाएंगे।

ज़ पिछले तीन दशकों में 'एंटरप्रेन्योरियल स्टिमुलेशन फॉर चिल्ड्रेन' के राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन शिविरों के माध्यम से, ईडीआईआई ने बच्चों को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने, सकारात्मक सोच विकसित करने और ऐसे कौशल सीखने का अवसर प्रदान किया है जो उन्हें जीवन में सफलता हासिल करने में मदद करते हैं। अब तक 45 शिविरों के माध्यम से 3,228 बच्चों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इन शिविरों में भाग लेने वाले बच्चों में मजबूत 'उद्यमिता और उपलब्धि की भावना' विकसित होती है, जिससे वे बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित होते हैं। शिविर के बाद अभिभावकों को उनके बच्चे के व्यक्तित्व से जुड़ी विशेषताओं और भविष्य में विकास के सुझावों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट भी दी जाती है।

इसी प्रकार, 'एंटरप्रेन्योरियल एडवेंचर्स फॉर यूथ' के राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन शिविरों के माध्यम से, ईडीआईआई देशभर के युवाओं में उद्यमिता से जुड़े गुणों का विकास कर रहा है। अब तक कुल 2,100 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इन शिविरों के प्रतिभागी अपनी छिपी हुई क्षमताओं को पहचानते हैं और जोखिम लेने की क्षमता, रचनात्मक सोच, विवाद प्रबंधन, प्रभावी संचार, टीम वर्क और समस्या-समाधान जैसे उद्यमी गुणों को विकसित करके भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार करते हैं। शिविर के दौरान करियर परामर्श भी प्रदान किया जाता है।

उपलब्धि हासिल कर चुके व्यक्तियों के साथ संवाद और कक्षा में सीखी गई बातों को व्यवहार में देखने के लिए किए जाने वाले फील्ड विज़िट, दोनों ही शिविरों के प्रतिभागियों पर गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं।

इस तरह के केंद्रित और कौशल-आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तियों के रूप में विकसित होते हैं। डॉ. पंकज भारती, ईडीआईआई में संकाय सदस्य, इस शिविर के नेतृत्वकर्ता हैं और उनसे pbharti@ediindia.org / camps@ediindia.org पर संपर्क किया जा सकता है।

बाबा साहेब के सपना पुरा करने पढ़ें लिखे नौकरी पेशा लोगों को समाजसेवा में आगे आने की जरूरत - अजाक्स

अनुसूचित जाति जनजाति शासकीय सेवक संघ व एससी-एसटी समाज के द्वारा बाबा साहब की जयंती मनाई

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ बी आर अम्बेडकर जयंती पर अनुसूचित जाति जनजाति शासकीय सेवक संघ (अजाक्स) व एससी एसटी समाज के द्वारा अंबेडकर चौक में स्थित बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा में माल्यार्पण कर संविधान की प्रास्तवना का सामुहिक वाचन किया गया।

जिसमें अजाक्स के पदाधिकारियों के अलावा बौद्ध महासभा के लोग भी शामिल रहे। इसके पश्चात बौद्ध महासभा द्वारा बुद्ध विहार में आयोजित जयंती कार्यक्रम में शामिल होकर कैंडल जलाकर स्मरण किए।पदाधिकारियों ने बीटीआई के पास स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा में भी माल्यार्पण कर एकता का संदेश दिया।

अंत में सभी पदाधिकारी हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में स्थापित बाबा साहब के स्टैच्यू पर माल्यार्पण कर विचार गोष्ठी रखा गया। जहां उपस्थित पदाधिकारियों ने बाबा साहब के सपना अनुरुप समाज में बदलाव नहीं आने पर चिंता जाहिर करते हुए, इसके लिए समाज के पढ़े लिखे लोगों को जिम्मेदार बताया। क्योंकि बाबा साहब चाहते थे कि समाज के पढ़े लिखे लोग जब उच्च पदों में जाने व नौकरी प्राप्त करने के बाद अपने समाज के अंतिम छोर के लोगों को शिक्षा रोजगार के लिए सहयोग व जागृत करेंगे तो समाज में मुल चुक बदलाव आयेगी।परंतु आज समाज के लोग पढ़-लिखकर नौकरी व ऊंचे पदों पर जाने के बाद समाज को ही भुल जा रहें है। और केवल अपने परिवार तक सीमित हो जा रहें हैं।जिस पर समाज के जिम्मेदार लोगों को चिंतन करने की जरूरत बताया।अजाक्स के जिला कार्यकारिणी की चुनाव मई में कराने पर भी चर्चा किया गया। माल्यार्पण व विचार गोष्ठी में प्रमुख रूप से अजाक्स के जिलाध्यक्ष कमलेश ध्रुव,तुलेंद्र सागर जिला सचिव,एम एल ध्रुव, बीपी मेश्राम,संतोष डहरिया, राजेश रात्रे, गणेश टंडन , योगेश मधुकर, सतीश जुल्फें,गिरधर ढीढी अजाक्स युवा मितान के प्रदेशाध्यक्ष दिनेश बंजारे, सर्व अनुसूचित जाति समाज के जिलाध्यक्ष रेखराज बघेल, आल एससी-एसटी से विजय बंजारे, डमरू मांझी ,सुखरु बंजारे व अन्य लोग उपस्थित थें।

जनपद सभापति प्रकाश सिन्हा ने किया कायतपाली में नवीन सोसायटी का उद्घाटन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के वर्चुअल शुभारंभ से क्षेत्र के किसानों को मिली बड़ी सौगात

बसना(समय दर्शन)। ग्राम कायतपाली में किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवीन कृषि साख सहकारी समिति का गठन किया गया, जिसका भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से वर्चुअल माध्यम द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं क्षेत्र के जनपद सदस्य प्रकाश सिन्हा उपस्थित रहे।

वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल गढ़फुलझार के अध्यक्ष श्री नरहरि पोर्टे, भाजयुमो जिला महामंत्री कामेश बंजारा, युवा मोर्चा अध्यक्ष योगेश साहू, आकाश सिन्हा, कायतपाली सरपंच प्रतिनिधि परदेसी यादव, उप सरपंच मोहर लाल डड़सेना, पलसापाली (अ) सरपंच प्रतिनिधि वीरू यादव एवं देवरी पंचायत के सरपंच सुरेश कोसरिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री के वर्चुअल संबोधन के उपरांत जनपद सभापति प्रकाश सिन्हा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा फीता काटकर तथा श्रीफल फोड़कर विधिवत रूप से नवीन समिति का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष एवं किसान बंधुओं ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय सम्मान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभापति श्री प्रकाश सिन्हा ने कहा कि कायतपाली में नई सहकारी समिति का गठन किसानों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगा। अब उन्हें खाद, बीज एवं कृषि ऋण जैसी आवश्यक सेवाएं अपने ही क्षेत्र में सहज रूप से उपलब्ध होंगी, जिससे उनकी मेहनत को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि यह नई सोसायटी किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर अंकोरी सोसायटी अध्यक्ष मुरलीधर नायक, चिमरकेल सोसायटी अध्यक्ष भोजकुमार साव, पूर्व सरपंच रविंद्र डड़सेना, विधायक कार्यालय प्रभारी महेंद्र प्रधान, हीराधर साव, समिति प्रबंधक छेदुराम निषाद, सामिल प्रधान सहित पूर्णचंद डड़सेना, दिग्विजय डड़सेना, दुर्गा चरण डड़सेना, विजय नागेश, बसंत दीप, प्रकाश चंद्र साव, युधिष्ठिर डड़सेना, जग्गू लाल नागेश, गुरवीर सिंह, जगदीप सिदार, दुतिया सिदार, अखिलेश साहू, वीरेंद्र प्रधान, सुरेंद्र साहू समेत क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में रामबांधा तालाब की सफाई अभियान प्रारंभ

प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से हो रहा है सफाई कार्य

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में चांपा नगर के ऐतिहासिक एवं प्रमुख जलस्रोत रामबांधा तालाब के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बुधवार को व्यापक सफाई अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत तालाब में फैली जलकुंभी को हटाई जा रही है, जो लंबे समय से नगरवासियों की प्रमुख मांग रही है। उल्लेखनीय है कि रामबांधा तालाब नगर का प्रमुख जलस्रोत है, जिसकी साफ-सफाई एवं पुनर्विकास की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। कलेक्टर श्री महोबे के मार्गदर्शन में प्रारंभ इस अभियान को प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, चांपा के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत तालाब का विकास किया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रदीप नामदेव, पार्षदगण, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि तालाब की स्वच्छता सुनिश्चित कर जल गुणवत्ता में सुधार लाना प्राथमिकता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और नगरवासियों को स्वच्छ एवं सुंदर तालाब उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जलस्रोतों के संरक्षण हेतु निरंतर एवं ठोस प्रयास किए जाएंगे। नगरवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए जिला प्रशासन एवं नगर पालिका के प्रयासों की सराहना की।

सरकार में महिलाओं की अब 33 प्रतिशत भागीदारी - रूपकुमारी

4000 महिलाओं ने निकाली ऐतिहासिक पदयात्रा

महासमुन्द (समय दर्शन)। महिलाओं के अधिकार, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सरायपाली में नारी शक्ति वंदन पदयात्रा का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इस पदयात्रा का नेतृत्व महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूपकुमारी चौधरी ने किया। आयोजन में क्षेत्रभर से आई महिलाओं की भारी भागीदारी ने इसे जनआंदोलन जैसा स्वरूप प्रदान कर दिया। पदयात्रा के दौरान महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

पदयात्रा में आसपास के गांवों, कस्बों एवं वार्डों से लगभग 4000 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित महिलाओं ने हाथों में तख्तियां, बैनर एवं संदेशों के साथ रैली में हिस्सा लिया। नारी शक्ति का सम्मान, देश का अभिमान जैसे नारों से पूरा सरायपाली गूंज उठा। पदयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरते हुए आमजन का ध्यान आकर्षित करती रही और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में वृहद हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपनी सहमति एवं समर्थन दर्ज कराया।

इस विशाल आयोजन की सफलता में क्षेत्र की महिला जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न महिला संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय रही। सांसद रूपकुमारी चौधरी के निर्देशन में विभिन्न संगठनों एवं कार्यकर्ताओं ने न केवल कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की, बल्कि गांव-गांव और घर-घर जाकर महिलाओं को इस पदयात्रा से जोड़ने का कार्य भी किया। उनकी सक्रियता, संगठन क्षमता और समर्पण के चलते इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी संभव हो पाई। कार्यक्रम के संचालन, अनुशासन व्यवस्था, स्वागत एवं समन्वय में महिलाओं के विभिन्न संगठनों की टीम ने उत्कृष्ट भूमिका निभाई।

पदयात्रा के दौरान अनेक स्थानों पर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा जलपान एवं पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी इस आयोजन को सफल बनाने में बढ़-चढ़कर योगदान दिया।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती चौधरी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह अधिनियम लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है, जिससे महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी का अवसर प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान, अधिकार और आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। ऐसे में उन्हें राजनीति में भी समान अवसर मिलना आवश्यक है, जो इस अधिनियम के माध्यम से संभव हो रहा है।

पदयात्रा के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह, आत्मविश्वास और एकजुटता देखने को मिली। युवा महिलाओं से लेकर वरिष्ठ महिलाओं तक सभी वर्गों की सहभागिता ने इस आयोजन को विशेष बना दिया। कई महिलाओं ने अपने विचार साझा करते हुए इस पहल को महिलाओं के भविष्य के लिए सकारात्मक और प्रेरणादायक बताया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, बसना विधायक संपत अग्रवाल, जिलाध्यक्ष येतराम साहू, जिला महामंत्री द्वय जितेंद्र त्रिपाठी एवं थान सिंह दिवान, जिला उपाध्यक्ष विपिन उपवेजा, वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश चौधरी, संजय शर्मा, पूर्व विधायक रामलाल चौहान, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा स्मिता चंद्राकर, महामंत्री तारेश्वरी नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, पिछड़ा वर्ग कल्याण पार्षद सदस्य कामता प्रसाद पटेल, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष पुष्पलता चौहान, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक मोनिका साहू, किसान मोर्चा जिला महामंत्री माधव साव, जिला उपाध्यक्ष मनोज दास, जनपद अध्यक्ष सरायपाली लक्ष्मी हरिश्चंद्र पटेल, नगर पालिका सरायपाली अध्यक्ष सरस्वती चंद्रकुमार पटेल, धनेश नायक, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा पटेल, नगर पंचायत बसना अध्यक्ष खुशबू अग्रवाल, पिथौरा जनपद अध्यक्ष ऊषा घृतलहरें, जिला पंचायत सदस्य कुमारी भास्कर, सीमा नायक, जगमोती भोई, देवकी दीवान, लोकनाथ बारी, मनमीत छाबड़ा, मंडल अध्यक्ष गुंजन अग्रवाल, डेविड चौधरी, दंडधर साव, नीलांबर टंडी, अनिल साहू, नरेंद्र यादव, नरहरी पोर्ते, अभिमन्यु प्रधान, हलधर साव, आशीष शर्मा सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खबर-खास

सर्विकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम शुरू, जिले में अब तक 84 किशोरियों का टीकाकरण पूर्ण

गरियाबंद। शासन के निर्देशानुसार नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत जिले में सर्विकल कैंसर गर्भाशाय कैंसर से बचाव के लिए जिला अस्पताल गरियाबंद में प्रारंभ किया जा चुका है। कलेक्टर बीएस उइके के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यूएस नवरत्न के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-छुरा, मैनपुर, राजिम, फिंगेश्वर एवं देवभोग के साथ-साथ समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी 14 वर्ष के किशोरी को ह्यूमन पॉपीलोमेवायरस वैक्सिनेशन का टीका लगाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवरत्न ने बताया कि जिला अस्पताल गरियाबंद में ह्यूमन पॉपीलोमेवायरस वैक्सिनेसन प्रारंभ करने के बाद विकासखण्ड स्तर पर समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सर्विकल कैंसर गर्भाशय कैंसर के टीके से प्रतिरक्षण किया गया व टीका लगने के 30 मिनट पश्चात निगरानी कक्ष में भी रखा गया। इस वैक्सीन के लिए पात्र हितग्राही वे होंगें जिन्होनें 14 वर्ष से 15 वर्ष (90 दिन) वर्ग के हितग्राही पात्र होगें व आयु प्रमाण पत्र हेतु आधार कार्ड,पहचान पत्र,या पहचान पत्र नही होने पर माता-पिता के हस्ताक्षरित शपथ पत्र मान्य किये जायेंगे।इसी प्रकार जिला अस्पताल एवं समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में निरंतर ह्यूमन पॉपीलोमेवायरस वैक्सिनेशन का टीका, सर्विकल कैंसर गर्भाशय कैंसर से प्रतिरक्षण हेतु लगाया जा रहा है।जिले में अब तक 84 किशोरियों को गर्भाशय कैंसर का टीका लगाया जा चुका है।

सरगीगुड़ा में वन विभाग ने की बड़ी कार्रवाई, अवैध सागौन लकड़ी जब्त, दो पर प्रकरण दर्ज

गरियाबंद। वन विभाग ने देवभोग क्षेत्र में अवैध लकड़ी भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में सागौन (टीक) की लकड़ी जब्त की है। यह कार्रवाई मुख्य वनसंरक्षक रायपुर वृत्त के निर्देश पर एवं वनमंडलाधिकारी गरियाबंद के मार्गदर्शन में की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार उप वनमंडलाधिकारी देवभोग द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर वन परिक्षेत्र इंदागांव अंतर्गत ग्राम सरगीगुड़ा में दो अलग-अलग स्थानों पर छापामार कार्रवाई की गई। पहली कार्रवाई में रक्षानंद ठाकुर के घर एवं बाड़ी की तलाशी ली गई,जहां से 60 नग सागौन चिरान (0.354 घन मीटर) तथा 17 नग सागौन लट्ठा (0.608 घन मीटर) अवैध रूप से रखा हुआ पाया गया।वन विभाग ने उक्त लकड़ी को जब्त कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया। दूसरी कार्रवाई में जयनंद ठाकुर के घर एवं बाड़ी की तलाशी के दौरान 20 नग सागौन चिरान (0.046 घन मीटर) तथा 13 नग सागौन लट्ठा (0.585 घन मीटर) अवैध रूप से संग्रहित पाए गए, जिसे जब्त कर पृथक वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। वन विभाग के अनुसार दोनों मामलों में कुल 103 नग सागौन लकड़ी (1.593 घन मीटर) जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 54 हजार 994 रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई में वन परिक्षेत्र अधिकारी इंदागांव के नेतृत्व में विभागीय स्टाफएवं सुरक्षा श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

निगम क्षेत्र के तालाबों को सूखने से बचाने पानी भरा जा रहा है

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लगभग 25 तालाबों के जलस्तर को बनाए रखने के लिए विशेष पहल की जा रही है। निगम द्वारा नियमित रूप से सफाई कर्मियों के माध्यम से तालाबों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जा रही है, ताकि जल स्रोत स्वच्छ एवं उपयोगी बने रहें। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन आयुक्तों को निर्देशित किये हैं, कि तालाबों की नियमित सफाई कराई जावे। जिससे तालाबों के साथ क्षेत्र के गिरते जल स्तर को बचाया जा सके। वर्तमान में भीषण गर्मी के चलते कई तालाबों का जल स्तर काफी नीचे चला गया है, वहीं कुछ तालाबों में पानी लगभग सूखने की स्थिति में पहुंच गया है। इस समस्या के समाधान हेतु जल संसाधन विभाग द्वारा नहरों के माध्यम से पानी छोड़ा गया है। यह पानी छोटे-बड़े नहरों से होते हुए तालाबों तक पहुंच रहा है, जिससे तालाबों का जल स्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी ।

निजी स्कूल संचालकों की मनमानी को लेकर बजरंगियों ने बोला हल्ला, आने वाले समय में उग्र प्रदर्शन की चेतावनी

जिलाधीश की ज्ञापन सौंप सख्त कार्रवाई की मांग

दुर्ग। छत्तीसगढ़ बजरंग दल द्वारा निजी विद्यालयों में बढ़ती अनियमितताओं एवं मनमानी के विरोध में आज दुर्ग के पटेल चौक में प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदेश मार्गदर्शन अनुसार संगठन के नेतृत्व प्रांत सह मंत्री बबलू सिंह प्रांत विद्यालीन प्रमुख रोहित सिंह विभाग सह संयोजक लक्ष्मण यादव विभाग गौ रक्षा प्रमुख कुलेश्वर यादव जिला अध्यक्ष ओम रवि भारती जिला उपाध्यक्ष प्रिंस राजपूत जिला सह संयोजक धनेश दोरा शहर अध्यक्ष अभिषेक नाग शहर संयोजक अनिल सोनी ग्रामीण संयोजक कमलेश यादव ग्रामीण सह संयोजक राजा पटेल पदाधिकारी एवम हंस राज देशमुख,तन्मय साहू,सचिन,अनीश शाह,सुख राम, आकाश, रंजित ,सौरभ, पवन कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान निजी विद्यालयों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से उल्लेख

किया गया कि भीषण गर्मी के बावजूद छोटे बच्चों को 1 अप्रैल से विद्यालय बुलाया जा रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही हर वर्ष एक जैसे पाठ्यक्रम के बावजूद नई किताबें खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव बनाया जाता है।

इसके अलावा निजी विद्यालयों द्वारा मनमाने तरीके से फीस वृद्धि, सुविधाओं में कमी, शिक्षकों को कम वेतन एवं निर्धारित दुकानों से ही यूनिफॉर्म एवं किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया।

छत्तीसगढ़ बजरंग दल ने मांग की है कि इन सभी अनियमितताओं की जांच कर दोषी विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए एवं अभिभावकों को राहत प्रदान करने हेतु ठोस नियम बनाए जाएं।

जिला अध्यक्ष ओम रवि भारती ने कहा कि यदि शीघ्र ही इस दिशा में कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

इस अवसर पर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राम छर्रा में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती: भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

सारंगढ़-बिलाइगढ़टारजन महेश (समय दर्शन) संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के भेड़वन-गुडेली मंडल द्वारा ग्राम छर्रा में भव्य मंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर भाजपाई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।संविधान निर्माता को किया नमन ग्राम छर्रा में आयोजित इस जयंती कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान और उनके द्वारा रचित संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। भाजपा अ.जा. मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनोज बसंत (बी.डी.सी. प्रतिनिधि) के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय प्रतिनिधि और कार्यकर्ता जुटे।?वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब केवल एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव हैं। उन्होंने समाज के वंचित और शोषित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।भाजपा अजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनोज बसंत ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को बाबा साहेब के शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के नारे को आत्मसात करना चाहिए।

प्रमुख उपस्थिति- रामेश्वर गिरी गोस्वामी -मंडल अध्यक्ष भेड़वन गुडेली,श्याम कुमार टण्डन मण्डल महामंत्री, शुबन पटेल - मण्डल अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा,विक्रम सिंह पटेल - मडल अध्यक्ष किसान मोर्चा,प्रीतम बरेठ युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष,विजय पटेल,छबी निषाद,आत्माराम बर्वे- सरंपच ,कार्तिक राम निषाद,सतनारायण, रमेश पटेल, देव कोसले पंचायतों के सरपंच, पंच, क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

समाचार पत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं पिरमाला चिनैयाह पिता पी. बक्कय्या उम्र 43 वर्ष क्वार्टर नं. 8/एफ सड़क नं. 33, सेक्टर 10 भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम पिरमाला चिनैयाह पिता पी. बक्कय्या (अंग्रेजी में: Pirmala Chainnaiah S/O P. Bakkaiah) से बदल कर पेनुमाला चेन्नय्या पिता पेनुमाला बक्कय्या (अंग्रेजी में: Penumala Chennaiah S/O Penumal Bakkaiah) रख लिया है।

हस्ताक्षर

ग्राम बारूका में महिलाओं का बिगुल - अवैध शराब के खिलाफ जन आक्रोश, ठिकानों पर दबिश देकर बर्तन फोड़े, शराब बहाई

अवैध शराब कारोबारियों में मचा हड़कंप

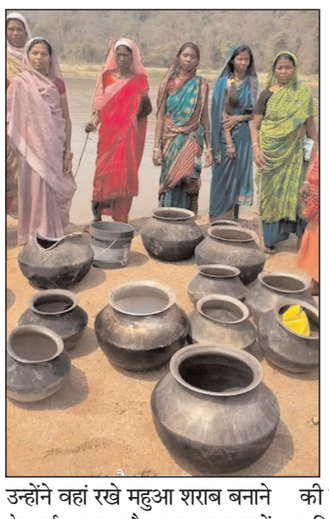

गरियाबंद। जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवे के ऊपर के ग्राम बारूका में अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।जनप्रतिनिधि और महिलाओं के नेतृत्व में गांव के लोगों ने एकजुट होकर निर्माण हो रहे अवैध शराब के ठिकानों पर सीधा धावा बोल दिया। इस दौरान मौके पर बनाए जा रहे शराब के बर्तन तोड़ दिए गए और तैयार शराब को बहा दिया गया।इस अचानक कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

ज्ञात हो कि ग्राम बारूका में लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा था,जिससे गांव का माहौल बिगड़ता जा रहा था।आए दिन नशे की हालत में विवाद,मारपीट और पारिवारिक कलह की घटनाएं सामने आ रही थीं।इससे परेशान होकर गांव की महिला जनप्रतिनिधियों और आम महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया।महिलाओं ने एक दिन पहले गांव में बैठक कर रणनीति बनाई और फिर एकजुट होकर मंगलवार को अवैध शराब बनाने वाले स्थानों पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने वहां रखे महुआ शराब बनाने के बर्तन, ड्रम और अन्य उपकरणों को तोड़ दिया और तैयार शराब को वहीं नष्ट कर दिया।

इस दौरान महिलाओं का कहना था कि शराब के कारण उनके परिवार बर्बाद हो रहे हैं,घर की आर्थिक स्थिति खराब हो रही है और युवाओं का भविष्य अंधकार में जा रहा है।इसलिए अब वे किसी भी कीमत पर गांव में अवैध शराब का कारोबार नहीं चलने देंगी।

ग्रामीणों ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार चल रहा था, लेकिन प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की गई। महिलाओं ने मांग की है कि पुलिस और आबकारी विभाग नियमित रूप से छापेमारी करे और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे।

ज्ञात हो कि अवैध शराब का निर्माण, परिवहन और बिक्री आबकारी अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है।इसमें आरोपियों पर जुर्माना और जेल दोनों का प्रावधान है।इसके बावजूद क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियां प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं।

जनआंदोलन का रूप ले सकती है मुहिम:- गांव की महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए,तो यह मुहिम और बड़े स्तर पर चलाई जाएगी और आसपास के गांवों को भी इसमें जोड़ा जाएगा।

ग्राम बारूका में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करती महिला जनप्रतिनिधि और ग्रामीण दबिश के दौरान शराब बनाने के बर्तन तोड़ते हुए महिलाएं अवैध रूप से तैयार शराब को मौके पर बहाते दिखे।

ग्राम बारूका की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि जब समाज एकजुट होता है, तो किसी भी बुराई के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी जा सकती है।

कलेक्टर ने समय-सीमा का बैठक लेकर योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा

सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली पूर्ण रूप से लागू करने के निर्देश

गरियाबंद। कलेक्टर बी.एस.उइके ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिले के सभी विभागों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को जिम्मेदारीपूर्वक और समय-सीमा के भीतर कार्य करने के निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने जिला स्तरीय कार्यालय के साथ-साथ सभी विभागीय कार्यालयों तथा उनके अधीनस्थ संस्थानों में ई-ऑफिस प्रणाली को पूर्ण रूप से अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि डिजिटल प्रणाली के अनुरूप प्रत्येक फाइल, पत्राचार और अनुमोदन ऑनलाइन माध्यम से ही किया जाए।इससे कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी।शासन द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत जिन हितग्राहियों को राशि जारी की जा रही है। वे अनिवार्य रूप से अपना ई-के वाईसी कराएं। उन्होंने कहा कि बिना ई-के वाईसी किसी भी भुगतान को लंबित न रखा जाए और इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाए। बैठक में खरीफविपणन वर्ष 2024-25 के अंतर्गत शेष चावल जमा कराने की प्रगति की समीक्षा की गई।अधिकारियों ने बताया कि लंबित चावल जमा कराने की प्रक्रिया जारी है और इसे शीघ्र पूर्ण करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने संबंधित एजेंसियों को समय-सीमा में शत-प्रतिशत चावल जमा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही रबी वर्ष 2025-26 में रासायनिक उर्वरकों के उठाव की स्थिति के बारे में जानकारी ली गई।अधिकारियों ने बताया कि उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। कलेक्टर ने किसानों को समय पर पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने पंचायत,वन,राजस्व, नगरीय निकाय, सहकारिता, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, विद्युत,भवन निर्माण, उद्यानिकी, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम सहित अन्य विभागों के कार्यक्रमों एवं योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग

मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ: जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00039 बोरसी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आर डी 202526430104700053

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00039 के अंतर्गत ग्राम बोरसी के वर्तमान भूमिस्वामी दीपक कुमार पिता/पति-बाबूधन शर्मा पता-बोरसी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 287/83(0.0100) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/केता शुभम शर्मा पिता/पति-स्व. दीपक कुमार शर्मा पता-प्लाट नं. 07, महाराणा प्रताप नगर, बोरसी दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 17/04/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जायेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता आममुखत्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/04/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
मुहर
दुर्ग (छ.ग.)

आर टी आई में बिना कारण बताएं पत्र कर दिया वापस

नागरिकों के मौलिक और मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन

भण्डारखोल पंचायत के सूचना अधिकारी की इस हरक़त से भारी भ्रष्टाचार की हो रही हैं आशंका

कोरबा (समय दर्शन) आखिर क्यों नहीं देना चाहते सूचना अधिकारी आरटीआई का जवाब ? कुछ ना कुछ मामलों में टाल मटोल करके पत्र कर दिया जाता है वापस जिले कोरबा में आरटीआई में जवाब न देने के ऐसे अनगिनत मामले देखे जा चुके हैं ।और अभी वर्तमान दौर में अक्सर यह देखने को मिल रहा है की ग्राम पंचायतों के अलावा ऐसे कई सरकारी दफ्तर हैं जो आर. टी .आई. में टाल मटोल करते है ताकि लोगों को जवाब ना देना पड़े, लेकिन कुछ सूचना अधिकारी इतने लापरवाह और गैर जिम्मेदार है कि बिना पत्र खोले ही लेने से इंकार कर देते हैं कुछ इसी तरह का मामला पाली विकासखंड के ग्राम पंचायत भंडारखोल में देखने को मिला । आर टी आई कार्यकर्ता दीपक महंत का कहना है इसमें पंचायत के सूचना अधिकारी ने भारतीय डाक द्वारा भेजे गए पत्र को बिना खोले बिना पढ़े और बिना कारण बताएं सूचना के अधिकार पत्र को वापस कर दिया है । इससे यह स्पष्ट होता है कि ग्राम पंचायत भंडारखोल के सचिव और सरपंच दोनों मिली भगत करके ग्राम के विकास में खूब डाका डाल रहे हैं क्योंकि जिस हिसाब से ग्राम पंचायत में विभिन्न मद अंतर्गत कार्य कराने के नाम पर जो रकम अलग अलग वित्तीय वर्ष में आहरण किया गया है उस हिसाब से ग्राम भण्डारखोल की विकास की गति बहुत धीमी है । इसे देखते हुए यह स्पष्ट अनुमान लगाया जा सकता है कि ग्राम पंचायत भंडारखोल में सरपंच सचिवों द्वारा भारी भ्रष्टाचार को निमंत्रण जरूर दिया गया होगा । सूचना के अधिकार पत्र को बिना कारण बताएं वापस कर देना यह नागरिकों के मौलिक और मानव अधिकारों का घोर उल्लंघन ही माना जाएगा । भंडारखोल पंचायत में और न जाने किन-किन योजनाओं और मदों पर भ्रष्टाचार की गई होगी इस संबंध में आने वाले दिनों में समाचार के माध्यम से और भी मामलों को उजागर किया जाएगा। फिलहाल तो ग्राम के सहायक लोक सूचना अधिकारी द्वारा अकारण पत्र को वापस करने पर निर्धारित तिथि अंतर्गत कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाली के प्रथम सूचना अधिकारी को प्रथम अपील कर दिया गया है अब देखना यह कि प्रथम अपील अधिकारी इसमें क्या गतिविधि अपनाते है।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत निकाय)

Room No. 210, SAI-Head Office Building, SAI-Headquarter, Jawaharlal Nehru Stadium Complex (East Gate-No. 10) Lodhi Road, New Delhi-110003

फाइल क्रमांकः 01-04001(01)/1/2026-66/150 दिनांकः 30.01.2026

अधिसूचना

भारतीय खेल प्राधिकरण नियमित आधार पर प्रदर्शन विश्लेषक के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) 7वें सीपीसी के वेतनमान-6 (₹35400-₹112400/-) में 7 खेल विज्ञान विषयों में प्रदर्शन विश्लेषक के 48 पदों (सीधी भर्ती) के लिए पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित करता है।

उक्त पद का विवरण और अन्य प्रासंगिक जानकारी एसएआई की वेबसाइट https://sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध है।

उपनिर्देशक (DEPUTY DIRECTOR)
मानव संसाधन प्रभाग II (HUMAN RESOURCES DIVISION -II)
भाखेप्रा मुख्य कार्यालय (SAI HEAD OFFICE)

Cbc 47103/12/000212627

संक्षिप्त-खबर

फिरोज खान बने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी महामंत्री, कार्यकर्ताओं में उत्साह

सरायपाली (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन विस्तार में सरायपाली के सक्रिय नेता फिरोज खान को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस आलाकमान और प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार, फिरोज खान को प्रदेश कांग्रेस कमेटी (क्कष्टष्ट) का कार्यकारिणी महामंत्री नियुक्त किया गया है। ?संगठन के प्रति निष्ठा का मिला फल ?फिरोज खान लंबे समय से सरायपाली और क्षेत्र में कांग्रेस की मजबूती के लिए कार्य कर रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, जमीनी पकड़ और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष द्वारा उन्हें इस महत्वपूर्ण पद पर पदोन्नत किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से यह स्पष्ट है कि आगामी समय में पार्टी सरायपाली और आसपास के क्षेत्रों में युवाओं और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है।

क्षेत्र में जश्न का माहौल–जैसे ही फिरोज खान की नियुक्ति की खबर सरायपाली पहुंची, स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर और मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। समर्थकों का कहना है कि खान की इस नियुक्ति से न केवल सरायपाली बल्कि पूरे जिले में कांग्रेस संगठन को एक नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जयंती पर श्रद्धासुमन के साथ विधिक जागरूकता अभियान का शुभारंभ

दुर्ग। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा न्यायालय परिसर में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में डॉ. अंबेडकर के विचारों, उनके संघर्षमय जीवन एवं भारतीय समाज को समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक करने में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के सिद्धांत आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं तथा प्रत्येक नागरिक को उनके आदर्शों को आत्मसात कर न्यायपूर्ण समाज की स्थापना में योगदान देना चाहिए। इस शुभ अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा एक विशेष विधिक जागरूकता अभियान का भी शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत आमजन को उनके विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने हेतु प्राधिकरण के पैरालीगल वालेंटियर्स को जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रवाना किया गया। आयोजित विधिक साक्षरता शिविरों में पैरालीगल वालेंटियर्स द्वारा आम नागरिकों को नि:शुल्क विधिक सहायता, मध्यस्थता, नेशनल लोक अदालत, महिला एवं बाल संरक्षण, श्रमिक अधिकार, तथा सामाजिक न्याय से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की गयी। इसके साथ ही आम नागरिकों को उनके अधिकारों के संरक्षण हेतु उपलब्ध कानूनी उपायों के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया गया। इसी क्रम में, एलएडीसीएस के काउंसिल द्वारा भी विभिन्न स्थानों पर आयोजित विधिक जागरूकता शिविरों में सक्रिय सहभागिता करते हुए नागरिकों को नि:शुल्क विधिक सहायता, आपराधिक मामलों में अधिकार, जमानत प्रक्रिया, विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दुर्ग, नयापारा, राजीवनगर, विद्यानगर, पंचशील नगर रिसाली, चांदनी चौक धनोरा, कोड़िया, हनोदा, कोकड़ी, हरदी, नंदिनी, चिंगरी, बीरेझर, अंजोरा, माटरा, धमधा, सहगांव, डोमा, अहरी, सगनी, झिट, तुलसी, कापसी, बेलोदी, बजरंग पारा भिलाई, पुरैना, आदर्श नगर, खुर्सीपार, महमरा, दमोदा, खुड़सुल, सिलोदा आदि स्थानों पर विधिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा संचालित यह पहल डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के समानता एवं न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुरेश गुप्ता बने सांसद प्रतिनिधि, जताया आभार

कोरबा-पाली। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत द्वारा जनहित के कार्यों को गति देने के उद्देश्य से सुरेश गुप्ता (निवासी शहीद हेमु कॉलोनी, पाली) को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पाली ब्लॉक हेतु अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। अपनी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए सुरेश गुप्ता ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और वरिष्ठ नेताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की है।

ग्राम बिलखंड में नल-जल योजना फ्लाप, भीषण गर्मी में पानी के लिए जूझ रहे ग्रामीण

बसना (समय दर्शन)। बसना ब्लॉक के ग्रामीण अंचल में प्रधानमंत्री नल जल योजना फ्लाप हो रहा है।

प्रधानमंत्री नल-जल योजना के तहत ग्राम पंचायत दलदली के ग्राम बिलखंड में बनाई गई पानी टंकी अब तक ग्रामीणों के लिए बेकार साबित हो रही है। योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आ रही है।

ग्राम में पानी की टंकी का निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन आज तक पाइपलाइन के जरिए पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है। ग्रामीणों का कहना है कि टंकी सिर्फदिखावे के लिए खड़ी है, उसका कोई वास्तविक उपयोग नहीं हो रहा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बोर खनन में पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध है, जिससे पूरे गांव की जरूरत पूरी हो सकती है। इसके बावजूद जल आपूर्ति शुरू नहीं होना प्रशासन और ठेकेदार की लापरवाही को दर्शाता है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार ने काम अधूरा छोड़कर सिर्फ पैसे निकाल लिए और अब परियोजना को पूरा करने की कोई कोशिश नहीं की जा रही। इससे योजना अधर में लटक गई है।

इस समय क्षेत्र में तेज गर्मी पड़ रही है, जिससे पानी की जरूरत और अधिक बढ़ गई है। ऐसे में नल-जल योजना का लाभ नहीं मिलने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है।जल्द से जल्द पाइपलाइन कनेक्शन चालू किया जाए

सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना का लाभ यदि समय पर लोगों तक नहीं पहुंचता, तो इसका उद्देश्य अधूरा रह जाता है। ग्राम बिलखंड का मामला प्रशासन के लिए एक चेतावनी है कि योजनाओं की केवल घोषणा नहीं, बल्कि सही क्रियान्वयन भी जरूरी है।

किशनपुर सहकारी समिति का उद्घाटन सम्पन्न

पिथौरा(समय दर्शन)। नवीन प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्यादित किशनपुर का आज वर्चुवल उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया।

किशनपुर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष ऊषा पुरर्षोत्तम घृतलहरे एवं अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य रामदुलारी सिन्हा ,विशेष अतिथि भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी, रिबीकांती बरिहा, कृषक सहकारी समिति पिथौरा के अध्यक्ष विजयराज पटेल, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय नायक, भाजपा नेता सिताराम सिन्हा, मंडल उपाध्यक्ष सुरेंद्र साहू, चम्पेश्वर साहू, मिनिकेतन पटेल, डिगेश प्रधान, सतीश प्रधान आदि सभी अतिथियों ने भारत माँ के छाया चित्र पर पूजा अर्चना माल्यार्पण कर उत्घाटन समारोह का शुभारंभ किया। उपस्थित कृषकों को संबोधित करते हुवे मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष ऊषा पुरषोत्तम घृतलहरे ने नवीन सहकारी समिति की बधाई देते हुवे कहा कि, भाजपा की सरकार हमेशा किसानों के हित में कार्य करती है।अब किसानों को खरीदी के साथ साथ खाद बीज व कृषि सामग्री लोन यही आसानी से मिल जायेगा ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही जिला पंचायत सदस्य रामदुलारी सिंहा ने कहा कि, आप सबकी सुविधाओ का ध्यान रखते हुवे हमारी सरकार ने नवीन समिति खोली है।

वशेष अतिथि भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों की सुविधाओ को ध्यान रखते हुए आज किशनपुर समेत 515 नवीन सहकारी समितियों का शुभारंभ वर्चुवल माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी ने किया है।

ताकि आप सबको सुगम व सुव्यवस्थित व्यवस्था मिले। विशेष अतिथि सहकारी समिति अध्यक्ष विजयराज पटेल ने कहा कि अब आप सबको लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी सहकारी समिति से संबंधित सभी कार्य अब आसानी से होंगे ।समारोह को भाजपा नेता सिताराम सिंहा भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सुरेंद्र साहू ने भी संबोधित किया ।समारोह का संचालन जगतराम प्रधान ने किया एवं आभार प्रदर्शन सरपंच रिबीकांती बरिहा ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से कृष्णकुमार डड्सेना रामकृष्ण मने मनोज ठाकुर नरेश सोना नरेश महंती सरिता साहू ब्रजेश प्रधान रितेश प्रधान मोहित निषाद योगेश कुमार साहू लालबिहारी प्रधान समेत बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

झलप में धूमधाम से मनाई गई डॉअंबेडकर जयंती

पिथौरा(समय दर्शन)। महान समाज सुधारक एवं संविधान निर्माता भारत रत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की जन्म जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर छिलपावन चौक झलप में ग्राम पंचायत बरेकेल कला की सरपंच श्रीमती टिकेश्वरी प्रवीण टंडन के द्वारा राहगीरों को प्रसाद के रूप में शरबत एवं खीर पूड़ी का वितरण किया गया।

सर्वप्रथम बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान सरपंच श्रीमती टिकेश्वरी प्रवीण टंडन ने बाबासाहेब के विचारों उनके संघर्षों और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि, आज महिलाएं समाज में पूर्ण रूप से सहभागिता निभा पा रही है यह बाबासाहेब की ही देंन है। अगर बाबा साहब महिलाओं के बारे में कानून नहीं बनाये होते तो, आज महिलाएं घर से बाहर ही नहीं निकाल पाती और नारी चार दीवारी में ही रह जाती ।इस दौरान खेमू राम टंडन,बुनी बाई, आर्यन,अर्चना, जिज्ञासा मौर्य समेत बड़ी संख्या में बाबा साहेब के अनुयाई मौजूद रहे।

धर्म-संस्कार का संदेश हर घर तक, हर गांव में स्थापित होंगे हिन्दू केंद्र- महेंद्र साव

महासमुंद जिला के पांचों विकासखंड के 2 लाख घरों में वितरण का लक्ष्य

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के ग्राम खेमड़ा में हर घर हनुमान चालीसा अभियान के तहत अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा व्यापक स्तर पर घर-घर पहुंचकर हनुमान चालीसा का वितरण किया गया।

इस दौरान गांव के 205 से अधिक घरों में कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर न केवल चालीसा वितरित किया, बल्कि लोगों को हिंदू धर्म और संस्कृति के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत खेमड़ा स्थित हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। यहां अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत महामंत्री महेंद्र साव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भगवान हनुमान की आराधना कर अभियान का शुभारंभ किया। इसके पश्चात गांव के प्रत्येक मोहल्ले और घर तक पहुंचकर चालीसा वितरण का कार्य किया गया। इस अवसर पर प्रांत महामंत्री महेंद्र साव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हनुमान चालीसा केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, साहस और संस्कारों का संचार करने का माध्यम है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि प्रत्येक मंगलवार को नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करें, जिससे परिवार और समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रहे। उन्होंने आगे बताया कि यह अभियान केवल खेमड़ा तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे महासमुंद जिले में इसे व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। बसना, पिथौरा, सरायपाली, बागबाहरा और महासमुंद के लगभग 550 ग्राम पंचायतों के 2 लाख घरों तक हनुमान चालीसा पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए संगठन के कार्यकर्ता लगातार गांव-गांव जाकर लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। महेंद्र साव ने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल का उद्देश्य केवल धार्मिक जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि समाज के भीतर एक सशक्त संगठन खड़ा करना भी है। इसी दिशा में हिंदू केंद्र स्थापित करने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है, जहां हिंदू समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में ऐसे केंद्र स्थापित कर सामाजिक समरसता, सहयोग और एकजुटता को बढ़ावा दिया जाएगा। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें अपनी परंपराओं, संस्कारों और धार्मिक आस्थाओं से जुड़े रहने का संदेश दिया। लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए बढ़-चढ़कर सहयोग किया और कई घरों में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस आयोजन में राष्ट्रीय बजरंग दल के स्थानीय कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ घर-घर जाकर अभियान को सफल बनाया। गांव में धार्मिक माहौल और उत्साह का वातावरण देखने को मिला, जहां हर घर तक हनुमान जी का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

नागनदी पुनर्जीवन कार्य के लिए आर्ट ऑफ लिविंग को मिला ग्रीन क्रूसेडर गोल्ड

कटक: श्री श्री विश्वविद्यालय तथा आर्ट ऑफलिविंग सोशल प्रोजेक्ट्स टीम के आजीवन अध्यक्ष पूज्य गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर जी को इंटरनेशनल एडवर्टाइजिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित 16वें ऑलिव क्राउन अवॉर्ड्स में ग्रीन क्रूसेडर अवॉर्ड ङ्क गोल्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार तमिलनाडु में नागनदी के पुनर्जीवन में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के प्रयासों के लिये दिया गया है। इस पहल ने पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित करने और सैकड़ों गांवों के लिए एक स्थायी, बारहमासी जल स्रोत उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस नदी पुनर्जीवन परियोजना में लगभग 40,000 महिलाओं और हजारों स्वयंसेवकों एवं टीम सदस्यों का योगदान रहा, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता का एक बड़ा उदाहरण है। पिछले दो दशकों में आर्ट ऑफलिविंग ने पूरे भारत में 76 नदियों, बेसिनों और जल निकायों के पुनर्जीवन का कार्य किया है, जो स्थिरता और जलवायु कार्रवाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह पुरस्कार गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर जी की ओर से श्री श्री विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्षा प्रो. राजिता कुलकर्णी ने ग्रहण किया।

जिला हॉकी संघ की वार्षिक आमसभा सम्पन्न, 26 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर किया प्रदेश का प्रतिनिधित्व

राजनांदगांव। जिला हॉकी संघ राजनांदगांव की वार्षिक आमसभा 14 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित की गई। बैठक जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले में हॉकी खेल को बढ़ावा देने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सामूहिक रूप से कार्य करने की सहमति व्यक्त की।

बैठक की शुरुआत में अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने पिछले दो वर्षों की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जिले की बालक एवं बालिका टीमों से कुल 26 खिलाड़ियों ने हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। वहीं हाल ही में आयोजित अस्मिता लीग वेस्ट जोन हॉकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टिम से जिले की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया। रनर टीम आगामी 22 अप्रैल से ग्वालियर में आयोजित इंटर जोनल नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेगी।

उन्होंने बताया कि बीता वर्ष राजनांदगांव के हॉकी खेल के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक रहा। पिछले दो वर्षों में जिला हॉकी संघ की मेजबानी और मार्गदर्शन में कई महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया, जिनमें सब जूनियर एवं जूनियर बालक-बालिका वेस्ट जोन प्रतियोगिता, अस्मिता स्टेट लीग, अस्मिता सिटी लीग, सीनियर मॉर्निंग ग्रुप फ्लड लाइट 7-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता, मानसून हॉकी लीग एवं रुद्राक्षम सोसायटी द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ लीग प्रमुख हैं।

अध्यक्ष ने जानकारी दी कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एवं पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करने वाले खिलाड़ियों को जिला हॉकी संघ द्वारा हॉकी स्टिक भी प्रदान की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को उचित मानदेय दिया जाएगा।

जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता ने बताया कि वर्ष 2025 में भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हॉकी इंडिया द्वारा देशभर के 500 जिलों में एक साथ प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया, जिसमें राजनांदगांव जिले ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव के सहयोग से हॉकी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ, फ्लडलाइट एवं अन्य सुविधाओं के विकास हेतु 10 करोड़ रुपये की स्वीकृति पर आभार व्यक्त किया।

बैठक में आगामी माह में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के आयोजन की जानकारी दी गई। यह प्रतियोगिता उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश की 8 फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के प्रारूप में आयोजित करने की योजना है, जिसमें खिलाड़ियों का पंजीयन एवं ऑक्शन भी किया जाएगा।

जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता ने बताया कि बैठक में कार्यकारिणी गठन, क्लब पंजीयन एवं खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और अवसर मिल सकें। बैठक में उन खिलाड़ियों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया गया, जिन्होंने हॉकी के माध्यम से शासकीय सेवाओं में स्थान प्राप्त किया है। इनमें तरुण यादव (रेलवे), सुखदेव निर्मलक एवं तौफीक अहमद (वन विभाग), दीपेश चौबे (कस्टमए पुणे) शामिल हैं। वहीं भूमिक्षा साहू (आरसीएफ कपूरथला) एवं अनीशा साहू (एनईआर गोरखपुर) की उपलब्धियों पर भी गर्व व्यक्त किया गया।

ग्रासरूट स्तर पर हॉकी को सशक्त बनाने के लिए आगामी ग्रीष्मकालीन सत्र में बसंतपुर, चिखली एवं अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से नीलम जैन, आशा थॉमस, दौलत सिंह चंदेल, भूषण साव, गणेश प्रसाद शर्मा, सब्बू सोलंकी, शिवा चौबे, सुदामा सिन्हा, अजय झा, वीरेंद्र सिंग भाटिया, अब्दुल कादिर, अनुराज श्रीवास्तव।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26